Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 332
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 07 दिसम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की ...

4 मसूरी में 600 ट्रेनी आईएएस अधिकारी और ...

7 क्विंटन डी कॉक का 'विराट' रिकॉर्ड, ...

संक्षिप्त न्यूज

सहकार टैक्सी दो साल में भारत की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बन जाएगीः अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि सहकार टैक्सी सेवा अगले दो वर्षों में देश की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बनने की ओर अग्रसर है, जिसकी शुरुआत हाल में की गई थी। शाह ने कहा कि प्रायोगिक तौर पर शुरुआत के बाद से अब तक लगभग 51,000 चालक इससे पंजीकृत हो चुके हैं।

सहकारिता मंत्री शाह ने इस सेवा की शुरुआती सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''हमने हाल ही में सहकार टैक्सी सेवा शुरू की है, जो सहकारी आधार पर है। हमने इसे दिल्ली में प्रायोगिक तौर पर शुरू किया है।

शाह यहां महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में 'अर्थ समिट' को संबोधित कर रहे थे। यह राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और भारतीय इंटरनेट एवं मोबाइल संघ (आईएएमएआई) द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय पहल है। शाह ने कहा कि प्रायोगिक परियोजना शुरू होने के बाद से अब तक 51,000 ड्राइवर इस सेवा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे टैक्सी चालकों को उनकी पूरी कमाई उनके बैंक खातों में मिलेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि अगले दो वर्षों में यह टैक्सी सेवा देश की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बन जाएगी।''

देश की शीर्ष आठ सहकारी संस्थाओं के समर्थन वाली ऑनलाइन सवारी सेवा 'भारत टैक्सी' की मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रायोगिक आधार पर शुरुआत की गई। 'भारत टैक्सी' सेवा के तहत ग्राहक कार, ऑटो और बाइक श्रेणियों के लिए बुकिंग कर सकेंगे।

सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड के माध्यम से संचालित 'भारत टैक्सी' डिजिटल ऐप पर अब तक 51,000 से अधिक ड्राइवर पंजीकृत हो चुके हैं। इस सहकारी संस्था के प्रवर्तकों में अमूल, इफको, कृभको, नैफेड, एनडीडीबी, एनसीईएल, एनसीडीसी और नाबार्ड शामिल हैं।

आत्मविश्वास से सराबोर भारत, बना वैश्विक अर्थव्यवस्था का 'ग्रोथ इंजन': पीएम मोदी का उद्घोष

नई दिल्ली। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितताओं से भरी है, भारत एक अलग लीग में दिखाई दे रहा है। 'एचटी लीडरशिप समिट' में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आत्मविश्वास से भरा है; जब दुनिया आर्थिक सुस्ती की बात करती है, भारत विकास गाथा लिखता है। उन्होंने कहा कि जब विश्व में विश्वास का संकट है, तो भारत भरोसे का स्तंभ है; जब दुनिया टुकड़ों में बंटी है, तो भारत सेतु का काम करता है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप 'स्काईरूट' का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने देश में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार किये हैं, इसके युवा अब नये भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन बन रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत में हो रहा परिवर्तन केवल संभावनाओं के बारे में नहीं है। यह बदलते जीवन, विकसित होती मानसिकता और एक नई दिशा में बढ़ते राष्ट्र की सच्ची कहानी है। आज हमारे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का

महापरिनिर्वाण दिवस भी है। मैं सभी भारतीयों की ओर से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

मोदी ने कहा कि आज हम ऐसे दौर में खड़े हैं जब इक्कीसवीं सदी का एक-चौथाई हिस्सा बीत चुका है। इन पच्चीस वर्षों में, दुनिया ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसने वित्तीय संकट देखे हैं। इसने एक वैश्विक महामारी का सामना किया है। इनमें से प्रत्येक स्थिति ने किसी न किसी रूप में वैश्विक समुदाय के लिए चुनौती पेश की है। अनिश्चितता के माहौल के बीच, हमारा राष्ट्र अपनी अलग पहचान बना रहा है। भारत गहरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की दूसरी तिमाही की 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का उल्लेख किया और कहा कि भारत विश्वास के स्तंभ के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, 'जब दुनिया मंदी की बात करती है, तब भारत विकास की गाथा लिख ??रहा है। जब दुनिया विश्वास के संकट से जूझ रही है, तब भारत विश्वास का स्तंभ बनकर उभर रहा है। जब दुनिया विखंडन की ओर बढ़ रही है, तब भारत एक सेतु का काम कर रहा है। भारत के लिए दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़े आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाते हैं, जो हमारी प्रगति में एक नई गति को दर्शाता है।'

मोदी ने कहा कि ये केवल संख्याएँ नहीं हैं। ये मज़बूत व्यापक आर्थिक संकेत हैं। ये बताते हैं कि भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख विकास चालक के रूप में उभर रहा है। आज, जब हम कल के परिवर्तन पर चर्चा कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि हम जिस परिवर्तन की आकांक्षा रखते हैं, वह वर्तमान के कार्यों द्वारा निर्मित मज़बूत नींव में दृढ़ता से निहित है। आज हम जो सुधार कर रहे हैं और जो प्रदर्शन कर रहे हैं, वे हमारे कल के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

'कश्मीरी मुसलमान आतंकवादी नहीं', पहलगाम-दिल्ली हमलों पर सीएम अब्दुल्ला ने कही बड़ी बात

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को ज़ोर देकर कहा कि आतंकी हमलों के बाद पूरे समुदाय को एक ही चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। नई दिल्ली में हिंदुस्तान लीडरशिप समिट 2025 में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीरी दिल्ली में हुए हमले से उतने ही परेशान हैं जितने पहलगाम को लेकर थे। अब्दुल्ला ने कहा कि सभी कश्मीरी मुसलमान आतंकवादी नहीं हैं। सभी आतंकवाद का समर्थन नहीं करते। दरअसल, वे एक बहुत ही छोटी अल्पसंख्यक आबादी हैं जो ऐसा करती है। उन्होंने वर्ष 2025 को जम्मू-कश्मीर के लिए किसी भी पैमाने पर कठिन बताया। इस संदर्भ में उन्होंने बैसरन (पहलगाम) में हुए हमले और दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट का ज़िक्र किया, जो जम्मू-कश्मीर में रची गई एक साज़िश का नतीजा थे।

उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में) ज़्यादातर लोग वही हैं जिन्हें आपने बैसरन (पहलगाम) में हुए हमले के बाद सड़कों पर देखा था। उन्होंने उस हमले के खिलाफ़ मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन का ज़िक्र किया जिसमें उस पर्यटन स्थल पर दो दर्जन से ज़्यादा लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि ये वो लोग हैं जो कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हैं... जो अलग-अलग इलाकों में ईमानदारी से रोज़ी-रोटी कमाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अफसोस जताया कि अप्रैल में पहलगाम हमले ने केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था कभी भी विशेष रूप से मजबूत नहीं रही है। दुर्भाग्य से इस तरह की परिस्थितियाँ इसे और भी कठिन बना देती हैं।

उन्होंने भारत के भीतर अन्यीकरण के बारे में भी बात की, और हरियाणा के एक उदाहरण का भी ज़िक्र किया। जहाँ दिल्ली विस्फोट के बाद सरकारी आदेश जारी किया गया कि सभी विदेशी नागरिक और कश्मीरी अपने नज़दीकी पुलिस स्टेशन में पंजीकरण कराएँ। उन्होंने कहा कि जब तक वे वहाँ के नेताओं से बात कर पाते, नुकसान हो चुका था।

जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को उन्हें याद करते हुए कहा कि जन्म से लेकर जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए।

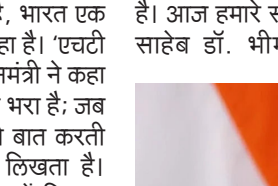

उत्तर प्रदेश होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि आज बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस है, और यह एक ऐसा दिन है जो प्रेरणा देता है (प्रेरणा दिवस)। आदित्यनाथ ने कहा, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने हर भारतीय को प्रेरित किया है। वह कहते थे कि हमारी पहचान मेरे परिवार, मेरी जाति, मेरे क्षेत्र और मेरी से नहीं है। बल्कि, हर भारतीय के मन में यह भावना होनी चाहिए कि जन्म से लेकर जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए। संविधान के प्रमुख शिल्पकारों में से एक आंबेडकर स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री भी थे। आज ही के दिन 1956 में उनका निधन हो गया था।

पश्चिम बंगाल में नफरत फैलाने वालीं सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगीः ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार देश के संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों की रक्षा करने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के शनिवार को मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनी एक मस्जिद की आधारशिला रखे जाने से पहले बनर्जी का यह बयान आया है। कबीर ने प्रस्तावित मस्जिद की आधारशिला से जुड़ा समारोह छह दिसंबर को यानी आज आयोजित करने घोषणा की। छह दिसंबर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी भी है।

तृणमूल कांग्रेस ने इस दिन को संहति दिवस (एकता दिवस) के रूप में मनाने की योजना बनाई है और सौहार्द, शांति व विभाजनकारी तत्वों के खिलाफ संघर्ष की अपील की है।

बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा, 'बंगाल की भूमि एकता की भूमि है। यह रवींद्रनाथ (टैगोर) की भूमि है, नजरुल (इस्लाम) की भूमि है, रामकृष्ण-विवेकानंद की भूमि है। इस भूमि ने कभी किसी विभाजनकारी कदम के सामने सिर नहीं झुकाया और वह आने वाले दिनों में भी ऐसा नहीं करेगी।' उन्होंने यह भी कहा, बंगाल में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध - जानते हैं कि कंधे से कंधा मिलाकर कैसे चलना है। हम अपनी खुशियां एक-दूसरे के साथ बांटते हैं, क्योंकि हमारा विश्वास है कि धर्म के अनुसार अपनी आस्था का पालन करना हर व्यक्ति का अधिकार है।' उन्होंने सभी को 'संहति दिवस' की शुभकामनाएं भी दीं। बनर्जी ने कहा, हमारी लड़ाई उन लोगों के खिलाफ जारी रहेगी जो सांप्रदायिक नफरत की आग भड़का रहे हैं और राष्ट्र के खिलाफ विनाशकारी खेल खेल रहे हैंष्ठ हम संविधान में निहित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के आदर्शों और सिद्धांतों की रक्षा करने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बनर्जी ने कहा, अद्वितीय विचारक और समाज सुधारक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर नमन। भारत के संविधान के मसौदे को तैयार करने में उनका योगदान अमर रहेगा।

बिहार को टॉप 5 निवेश राज्य बनाने की तैयारी, सीएम नीतीश का बड़ा दांव, 50 लाख करोड़ की कार्ययोजना

पटना। बिहार में 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार एक्शन में हैं। रोजगार और उद्योग पर नीतीश सरकार का फोकस साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। एक बार फिर से नीतीश कुमार ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि उनकी सरकार बिहार में रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निरंतर काम कर रही है। अपने एक्स पोस्ट में नीतीश कुमार ने लिखा कि आप सभी जानते हैं कि किसी भी राज्य की तेज आर्थिक तरक्की और रोजगार पैदा करने के लिए वृहद पैमाने पर औद्योगीकरण का होना जरूरी है। बिहार सरकार ने इस दिशा में काफी काम किया है। औद्योगिक क्षेत्रों की संख्या जो वर्ष 2005 में 46 थी, वह बढ़कर अब वर्ष 2025 में 94 हो गयी है।

सीएम ने कहा कि औद्योगिक इकाईयों की संख्या वर्ष 2005 में 1674 थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 3500 हो गयी है। इसी प्रकार वर्ष 2005 में बिहार से औद्योगिक उत्पादों का निर्यात जो मात्र

25 करोड़ रूपये था, वह बढ़कर वर्ष 2025 में 17 हजार करोड़ रूपये हो गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की संख्या 2005 के मुकाबले 72 हजार से बढ़कर 2025 में 35 लाख हो गयी है और बिहार के जी0एस0डी0पी0 में उद्योगां का योगदान वर्ष 2005 के 5.4 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 21 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। यह सरकार द्वारा बिहार के औद्योगिक विकास हेतु किये गये प्रयासों को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि अब बिहार को भारत के शीर्ष पांच निवेश अनुकूल राज्यों में सम्मिलित करने हेतु उद्योग विभाग देश-दुनिया के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों में निवेशक सम्मेलनों का आयोजन करेगा, ताकि बड़े से बड़े उद्योगों को आकर्षित किया जा सके। हमलोगों ने अगले 5 वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश की कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत Ease of Doing Business (EoDB) को बढ़ावा देना, आधुनिक फूड प्रोसेसिंग और लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के साथ 5 नए मेगा फूड पार्क स्थापित करना, राज्य में 10 औद्योगिक पार्क एवं 100 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम पार्कों को विकसित करना, उद्योग-प्रासंगिक कौशल एवं उद्यमिता में 7 लाख लोगों को प्रशिक्षित करना तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम निदेशालय की स्थापना एवं सभी जिलों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम केंद्र स्थापित करना शामिल है। इसके साथ ही स्थानीय उत्पादों के निर्यात एवं बाजार की सुविधा उपलब्ध कराना प्रमुख है।

संकट के बीच घ्घ्गउद का दावा, स्थिति सुधार रहे, यात्रियों के असुविधा के लिए खेद

नई दिल्ली। देश भर में हज़ारों यात्रियों के फंसे होने के कारण व्यापक उड़ान व्यवधानों के बीच, इंडिगो ने शनिवार को कहा कि वह अपने परिचालन को स्थिर करने के लिए काम कर रही है। एयरलाइन ने आगे कहा कि पिछले दिनों की तुलना में रद्दीकरण की संख्या 850 से कम हो गई है और यात्रियों से आग्रह किया है कि वे नवीनतम उड़ान स्थिति ऑनलाइन देखें और ज़रूरत पड़ने पर धनवापसी प्राप्त करें। एयरलाइन के बयान के अनुसार कि इंडिगो पूरे नेटवर्क में अपने परिचालन को पटरी पर लाने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है।

इंडिगो ने कहा कि हमारी टीमें इस अवधि के दौरान शेड्यूल को स्थिर करने, देरी को कम करने और ग्राहकों का समर्थन करने पर केंद्रित हैं। आज रद्दीकरण की संख्या 850 से कम हो गई है, जो कल की तुलना में काफी कम है। हम अगले कुछ दिनों में इस संख्या को धीरे-धीरे कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं। बयान में कहा गया है, 'हम सभी ग्राहकों के रिफंड को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित कर रहे हैं। हम सभी हवाई अड्डों और साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि टर्मिनलों पर, हमारी वेबसाइट पर और सीधे सूचनाओं के माध्यम से ग्राहकों को समय पर अपडेट प्रदान किए जा सकें।

शनिवार को भी पूरे भारत में इंडिगो का परिचालन बुरी तरह बाधित रहा, 100 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे मुंबई, हैदराबाद, गुवाहाटी और अन्य शहरों के हवाई अड्डों पर हज़ारों यात्री फँस गए। आज प्राप्त हवाई अड्डे के आंकड़ों के अनुसार, कई प्रमुख केंद्रों ने इंडिगो द्वारा महत्वपूर्ण रद्दीकरण की सूचना दी। हैदराबाद हवाई अड्डे पर 26 आगमन और 43 प्रस्थान सहित 69 नियोजित रद्दीकरण दर्ज किए गए। जीएमआर द्वारा संचालित दिल्ली हवाई अड्डे पर इंडिगो की 86 उड़ानें दिन भर के लिए रद्द कर दी गईं, जिनमें 37 प्रस्थान और 49 आगमन वाली उड़ानें शामिल थीं। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर भी व्यवधान की सूचना मिली, जहाँ 35 प्रस्थान और 24 आगमन वाली उड़ानें नियोजित रद्दीकरण सूची में सूचीबद्ध हैं।

शशि थरूर ने वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में लाने का प्रस्ताव करने वाला निजी विधेयक पेश किया

तिरुवनंतपुरम। सांसद शशि थरूर ने वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में शामिल करने के प्रस्ताव वाला एक निजी विधेयक शुक्रवार को लोकसभा में पेश किया और इस बात पर जोर दिया कि भारत को अपने संवैधानिक मूल्यों को कायम रखना चाहिए।

तिरुवनंतपुरम से सांसद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में डालने की तत्काल आवश्यकता है और उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में संशोधन के लिए निजी विधेयक पेश किया है।

उन्होंने कहा, ''भारत को अपने संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखना चाहिए और ना का मतलब ना से सिर्फ़ हां का मतलब हां होने की ओर बढ़ना चाहिए। हर महिला को विवाह संबंध के दायरे में शारीरिक स्वायत्तता और गरिमा का मौलिक अधिकार मिलना चाहिए। अब कार्रवाई का समय आ गया है।''

थरूर ने दो अन्य गैर सरकारी विधेयक भी पेश किए जो व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020 में संशोधन तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुनर्गठन की सिफारिश केंद्र को करने के लिए राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पुनर्गठन आयोग की स्थापना से संबंधित हैं।

ओवैसी का तीखा वारः बाबरी विध्वंस ने मस्जिद नहीं, संविधान को किया था कमज़ोर, 6 दिसंबर काला दिन

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को कहा कि 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद विध्वंस ने भारतीय संविधान को कमजोर किया और देश के लिए एक काला दिवस बनाया। ओवैसी ने इस घटना के प्रभाव को कम करके आंकने के प्रयासों की आलोचना करते हुए कहा कि इसने कानून के शासन का उल्लंघन किया और देश पर गहरे घाव छोड़े। हैदराबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आज 6 दिसंबर है। आप और मैं जानते हैं कि 6 दिसंबर 1992 को क्या हुआ था...पुलिस की मौजूदगी में बाबरी मस्जिद को गिरा दिया गया था...सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बाबरी मस्जिद का विध्वंस कानून के शासन का उल्लंघन था...वज़ीर-ए-आज़म (प्रधानमंत्री) ने हाल ही में कहा था कि 500 साल पुराने ज़ख्मों पर मरहम लगाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मस्जिद बनाने के लिए किसी मंदिर को नहीं तोड़ा गया था। तो, प्रधानमंत्री किस आधार पर ऐसा कह रहे हैं? ज़ख्म

असल में इस बात के हैं कि 6 दिसंबर 1992 को एक मस्जिद नहीं गिराई गई, बल्कि भारतीय संविधान को कमज़ोर किया गया...6 दिसंबर एक काला दिन है।

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या में 'कारसेवकों' के एक बड़े समूह ने बाबरी मस्जिद को गिरा दिया था। इसके बाद, अयोध्या में कई मुस्लिम घरों में तोड़फोड़ की गई, आग लगा दी गई और उन्हें नष्ट कर दिया गया। देश के कई हिस्सों में दंगे भड़क उठे, जिसमें 1,000 से ज़्यादा लोग मारे गए। इस बीच, आज, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूँ कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की आधारशिला रखी।

उन्होंने धार्मिक स्थल बनाने के संवैधानिक अधिकार की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि वह कोई असंवैधानिक काम नहीं कर रहे हैं, 'जैसे कोई भी मंदिर या चर्च बना सकता है, वैसे ही मैं भी बना सकता हूँ।' सभा को संबोधित करते हुए कबीर ने कहा, 'मैं कोई असंवैधानिक काम नहीं कर रहा हूँ। कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी चर्च बना सकता है; मैं मस्जिद बनाऊँगा। कहा जा रहा है कि हम बाबरी मस्जिद नहीं बना सकते। ऐसा कहीं लिखा नहीं है।

सीएम रेखा गुप्ता का आश्वासनः दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ हर मोर्चे पर सरकार की है सक्रियता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निवासियों को आश्वासन दिया कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण से निपटने के लिए हर मोर्चे पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आगे दोहराया कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लगातार मिशन मोड में जारी है। पत्रकारों से बात करते हुए, गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण कम करने में मदद के लिए बिजली के खंभों पर मिस्ट लगाने का काम जारी है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ हमारी लड़ाई मिशन मोड में बिना रुके जारी है। धुआँ, धूल, वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, खुले में कचरा जलाना और लकड़ी जलाना - ये सभी मिलकर हवा में प्रदूषण की एक परत बनाते हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण में योगदान देने वाले हर कारक पर काम कर रही है..... दिल्ली में बिजली के खंभों पर मिस्ट लगाने का काम जारी है... इसे रोकने के लिए सरकार हर मोर्चे पर सक्रिय है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि शहर के रिंग रोड की सफाई के लिए सैकड़ों स्प्रिंकलर का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह सड़क सफाई नियमित अंतराल पर हो रही है, जिससे धूल और प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभा रही है। गुप्ता ने लिखा कि दिल्ली में पहली बार सैकड़ों स्प्रिंकलर वाहन राजधानी के रिंग रोड की सफाई कर रहे हैं। हमारा मिशन सबका है - प्रदूषण नियंत्रण। हमारी सरकार प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने के लिए हर स्तर पर पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है।

महाराष्ट्र में एक साल से नहीं बना LoP ; मतदाता सूची पर उद्धव ने सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति हुए एक साल से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन सरकार अब तक यह संवैधानिक जिम्मेदारी पूरी नहीं कर पाई है। ठाकरे ने कहा कि आगामी शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों के लिए नेता प्रतिपक्ष की घोषणा होना जरूरी है।

उद्धव ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा सरकार इतनी बहुमत में होने के बावजूद एलओपी से क्यों डर रही है? यह पद संवैधानिक है और इसे खाली छोड़ना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार LoP नियुक्त नहीं करती, तो यह पहली बार होगा कि विधानसभा सत्र बिना नेता प्रतिपक्ष के आयोजित होगा।

ठाकरे ने तंज कसते हुए यह भी कहा कि अगर एलओपी गैर-संवैधानिक माना जा रहा है, तो उपमुख्यमंत्री का पद भी खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि वह भी संविधान में कहीं उल्लेखित नहीं है। वर्तमान में राज्य में दो उपमुख्यमंत्री

(एकनाथ शिंदे और अजित पवार) कार्यभार संभाल रहे हैं।

विपक्ष की ओर से LoP के नाम भी तय

विधानसभा में सबसे ज्यादा विधायक होने के कारण शिवसेना (यूबीटी) ने वरिष्ठ नेता भास्कर जाधव को एलओपी पद के लिए नामित किया है। वहीं विधान परिषद में कांग्रेस ने सतेज पाटिल को अपना उम्मीदवार बनाया है, क्योंकि अगस्त में शिवसेना (यूबीटी) के अंबादास दानवे का कार्यकाल समाप्त हो गया था।

मतदाता सूची में 'गड़बड़ी' पर सुप्रीम कोर्ट को सख्त कदम उठाने की मांग

उद्धव ठाकरे ने राज्य की मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मसौदा मतदाता सूची में व्यापक स्तर पर त्रुटियां और गड़बड़ियां हैं, जो चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा सुप्रीम कोर्ट को इस पूरे 'मेस' पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और तब तक स्थानीय निकाय चुनाव नहीं होने चाहिए, जब तक मतदाता सूची ठीक नहीं हो जाती। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही निर्देश दिया है कि सभी स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी तक कराए जाएं।

महा-यूति सरकार की आंतरिक खींचतान पर कटाक्ष

ठाकरे ने स्थानीय निकाय चुनावों के पहले चरण में महायुति सरकार के भीतर चली तकरार पर भी निशाना साधा। उन्होंने इसे 'सत्ता के लालच की राजनीति' बताया और कहा कि इससे जनता का विश्वास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अंत में कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में जनता की उम्मीदें केवल शिवसेना (यूबीटी) से जुड़ी हैं।

राहुल के संविधान खतरे में बयान पर अठावले का तीखा जवाब, निरधार और तथ्यहीन, खतरा तो कांग्रेस को है

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हालिया संविधान खतरे में बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि गांधी के दावे निराधार और तथ्यहीन हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि संविधान खतरे में नहीं है, बल्कि कांग्रेस पार्टी खतरे में है। एएनआई से बात करते हुए, अठावले ने कहा कि संविधान खतरे में नहीं है; खतरे में कांग्रेस पार्टी है। मुझे नहीं लगता कि हमारे संविधान को कोई खतरा है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इसे और मज़बूत किया जा रहा है। अठावले ने आगे कहा कि राहुल गांधी के बयान निराधार और तथ्यहीन हैं। यह बयान राहुल गांधी द्वारा डॉ. बीआर अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद दिए गए बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हर भारतीय का संविधान खतरे में है।

पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा अम्बेडकर जी एक आदर्श हैं। उन्होंने पूरे देश को एक राह दिखाई, उन्होंने हमें संविधान दिया। इसलिए, हम उन्हें याद करते हैं और उनके विचारों और संविधान की रक्षा करते हैं। हर भारतीय का संविधान खतरे में है। हम इसकी रक्षा करते हैं, नागरिक इसकी रक्षा करते हैं। एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता ने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने लिखा कि बाबासाहेब अम्बेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। समानता, न्याय और मानवीय गरिमा की उनकी कालातीत विरासत संविधान की रक्षा के मेरे संकल्प को मजबूत करती है और एक अधिक समावेशी, दयालु भारत के लिए हमारे सामूहिक संघर्ष को प्रेरित करती है।

इससे पहले आज, भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन (डीएएफ) द्वारा संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर, बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा के निकट 70वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, संसद भवन लॉन में बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए पूरे कार्यक्रम को आम जनता के लिए खोल दिया गया।

लोनावला में कार-ट्रक की टक्कर में गोवा के दो पर्यटकों की मौत

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

महाराष्ट्र के लोनावला हिल स्टेशन पर शनिवार तड़के एक कार और मिनी ट्रक के बीच हुई टक्कर में गोवा के दो पर्यटकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों पर्यटक गोवा से आए 14 लोगों के एक समूह का हिस्सा थे, जो पिकनिक मनाने पुणे जिले के लोनावला पहुंचे थे।

पुलिस के मुताबिक, दोनों पर्यटकों को ले जा रही तेज रफ्तार कार हिल स्टेशन के लायन्स पॉइंट के पास सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। लोनावला ग्रामीण थाने के एक अधिकारी ने बताया, 'यह दुर्घटना शनिवार तड़के हुई। कुछ स्थानीय लोगों ने बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कार में दो लोगों को फंसा हुआ पाया।' उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान योगेश सुतार (21) और मयूर वेंगुर्लेकर (24) के रूप में हुई है, जो गोवा के मापुसा के रहने वाले थे। पुलिस के अनुसार, हादसे में ट्रक चालक भी घायल हुआ है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में मारे गए पर्यटकों के शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

पश्चिम रेलवे चलाएगी सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली, मुंबई सेंट्रल - भिवानी, मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा, वलसाड - बिलासपुर, साबरमती - दिल्ली एवं साबरमती - दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 04001/04002 मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 04001 मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर, 2025 को 23.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली - मुंबई सेंट्रल स्पेशल शनिवार, 06 दिसम्बर, 2025 को 22.40 बजे नई दिल्ली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा एवं मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट (द्विसाप्ताहिक) स्पेशल (14 फेरे)

ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी - मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को 14.35 बजे भिवानी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली एवं चरखी दादरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती सुपरफास्ट स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर एवं सोमवार, 08 दिसम्बर, 2025 को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर एवं मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2025 को 10.15 बजे शकूर बस्ती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां एवं दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को 10.00 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.30 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुर्गापुरा - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर 2025 को 12.25 बजे दुर्गापुरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर एवं बनस्थली निवाई स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

5. ट्रेन संख्या 08244/08243 वलसाड - बिलासपुर स्पेशल (साप्ताहिक) (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 08244 वलसाड - बिलासपुर स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 16.50 बजे वलसाड से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 दिसम्बर, 2025 से 09 जनवरी, 2026 तक चलेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08243 बिलासपुर - वलसाड स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 16.00 बजे बिलासपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 दिसम्बर, 2025 से 08 जनवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भेस्तान, चलथान, नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बड़नेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर एवं भाटापारा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

6. ट्रेन संख्या 09497/09498 साबरमती - दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 09497 साबरमती - दिल्ली स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर एवं मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2025 को 22.55 बजे साबरमती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 15.15 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09498 दिल्ली - साबरमती स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर एवं बुधवार, 10 दिसम्बर, 2025 को 21.00 बजे दिल्ली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.20 बजे साबरमती पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी, गुरुग्राम एवं दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

7. ट्रेन संख्या 04061 साबरमती - दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल (01 फेरा)

ट्रेन संख्या 04061 साबरमती - दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर, 2025 को 05.30 बजे साबरमती से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23.00 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी।

यह ट्रेन पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी, गुरुग्राम एवं दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04001, 09003, 09730, 09497 एवं 04061 की बुकिंग शुरू है। ट्रेन संख्या 09001 एवं 08244 की बुकिंग 07.12.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

'अगर कोई अपने पैसे से मस्जिद बनाता है, तो...'; हुमायूं कबीर के मस्जिद बनाने के फैसले पर अबू आजमी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम बंगाल के टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को बाबरी मस्जिद-शैली में मस्जिद निर्माण का शिलान्यास कर दिया है। जिसकी राजनीतिक दल लगातार आलोचना कर रहे हैं। इस मामले पर महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने कहा है कि अगर कोई अपने पैसे से मस्जिद बनाता है, तो किसी को भड़काने की जरूरत नहीं है।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने पर समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने कहा, अगर कोई अपने पैसे से मस्जिद बनाता है, तो किसी को भड़काने की जरूरत नहीं है। इस देश का कानून कहता है कि आप इजाजत लेकर मस्जिद बना सकते हैं। इसे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार पैदा करने के लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए।

भाजपा ने ममता पर साधा निशाना

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनावों से पहले मुसलमानों का ध्रुवीकरण करने के लिए विधायक का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यह परियोजना पश्चिम बंगाल की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है और राष्ट्रीय राजमार्ग-12 को बाधित कर सकती है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने इसे वोट-बैंक की राजनीति बताया। वहीं, टीएमसी ने जवाब में कबीर पर भाजपा और आरएसएस के साथ मिलीभगत करके अशांति पैदा करने का आरोप लगाया।

सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगीः ममता

ममता बनर्जी ने टीएमसी की तरफ से 6 दिसंबर को मनाए जाने वाले संहति दिवस (एकता दिवस) पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। ममता ने कहा बंगाल में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध हम सब कंधे से कंधा मिलाकर चलना जानते हैं। ममता ने कहा कि उनकी सरकार देश के संविधान के आदर्शों और सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

ई-चालान विवाद के मामले लोक अदालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई में एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) के ऑफिस ने साफ किया है कि 13 दिसंबर 2025 को पूरे राज्य में होने वाली लोक अदालत में ई-चालान के मामलों में कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। हालांकि, नागरिकों को इस संबंध में अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट महाराष्ट्र राज्य कानूनी और सेवा प्राधिकरण की मंजूरी से 2021 से पेंडिंग ई-चालान मामलों को निपटाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, यह कहा गया है कि आने वाली लोक अदालत में ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट द्वारा कोई भी ई-चालान मामला निपटारे के लिए नहीं रखा जाएगा।

इस बीच, यह भी देखा गया है कि कुछ भ्दल्ऊलं, घ्र्ट्रैस और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गलत जानकारी फैलाई जा रही है कि 13 दिसंबर को लोक अदालत में ई-चालान के जुर्माने पर छूट मिलेगी। पुलिस विभाग ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है क्योंकि ऐसी अफवाहों से वित्तीय धोखाधड़ी हो सकती है।

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट नागरिकों से अपील करता है ई-चालान के निपटारे या जुर्माने में कमी के बारे में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही गलत जानकारी पर विश्वास न करें। किसी भी अनधिकृत लिंक के माध्यम से ई-चालान की रकम का भुगतान न करें। अगर किसी नागरिक का मामला स्थानीय जिला कानूनी और सेवा प्राधिकरण द्वारा निपटारे के लिए रखा गया है, तो उसे सीधे संबंधित अदालत या स्थानीय ट्रैफिक पुलिस से संपर्क करना चाहिए, यह जानकारी एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) ऑफिस की ओर से पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सुनील भारद्वाज ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

पश्चिम रेलवे

विद्युत कार्य

उप मुख्य विद्युत अभियंता, (निर्माण) पश्चिम रेलवे, वडोदरा ई-निविदा सूचना संख्याः TR-C-08- 2025-इ दिनांकः 03.12.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य एवं स्थानः** वडोदरा मंडल के छोटा उदेपुर-धार नई लाइन खंड के टांडा रोड से तिरला रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे स्टेशन और कर्मचारी आवासों के लिए एचटी केबल द्वारा रेलवे ट्रैक क्रॉसिंग पर एमपीपीकेवीवीसीएल 33 केवी/11 केवी/एलटी लाइन का ओवरहेड से अंडरग्राउंड में संशोधन और विद्युत आपूर्ति वृद्धि। **कार्य की अनुमानित लागतः** 2,99,24,025.01। बोली सुरक्षाः 2,99,600/-। बोली प्रारंभ होने की तिथि एवं समयः 17.12.2025। निविदा समापन की तिथि और समयः 31.12.2025 को 15:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0871

Like us on: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

टैम्पिंग से पूर्व एवं पश्चात्

ट्रैक मापन सर्वेक्षण मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, ई-निविदा सूचना क्रमांकः बीसीटी/25-26/273 दिनांक 02/12/2025 आमंत्रित करता है। **कार्य एवं स्थानः** उकाई सोनगढ़-जलगांव खंडः वरिष्ठ डीईएन/ई/मुंबई सेंट्रल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत टिम्बल गेडो वोर्सिस ट्रॉली प्रणाली का उपयोग करते हुए टैम्पिंग से पूर्व एवं पश्चात् ट्रैक मापन सर्वेक्षण। **कार्य की अनुमानित लागतः** 1,68,43,890.56। ईएमडीः 2,34,200/-। जमा करने की तिथि एवं समयः 30.12.2025, 15:00 बजे तक। खुलने की तिथि एवं समयः 30.12.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। मैनुअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा। 0870

Like us on: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगी

ट्रेन नं0	प्रारम्भिक स्टेशन और गंतव्य स्टेशन	सेवा का दिन	प्रस्थान	आगमन
09001	मुंबई सेंट्रल-भिवानी (द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट)	09.12.2025 to 30.12.2025	10:30 hrs (मंगल, शुक्र)	13:00 hrs (अगले दिन)
09002	भिवानी - मुंबई सेंट्रल (द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट)	10.12.2025 to 31.12.2025	14:35 hrs (बुध, शनि)	16:30 hrs (अगले दिन)
हाल्टः दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली और चरखी दादरी स्टेशन।				
संरचनाः एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09003	मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती (सुपरफास्ट)	07.12.2025 & 08.12.2025	10:30 hrs (रवि, सोम)	08:00 hrs (अगले दिन)
09004	शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल (सुपरफास्ट)	08.12.2025 & 09.12.2025	10:15 hrs (सोम, मंगल)	10:30 hrs (अगले दिन)
हाल्टः दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां और दिल्ली सफदरजंग स्टेशन।				
संरचनाः एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09730	बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा (सुपरफास्ट)	08.12.2025	10:00 hrs (सोमवार)	05:30 hrs (अगले दिन)
09729	दुर्गापुरा - बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट)	07.12.2025	12:25 hrs (रविवार)	07:00 hrs (अगले दिन)
हाल्टः दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर और बनस्थली निवाई स्टेशन।				
संरचनाः प्रथम एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच				
04001	मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली (सुपरफास्ट)	07.12.2025	23:30 hrs. (रविवार)	20:50 hrs. (अगले दिन)
ठहरावः बोरिवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा और मथुरा स्टेशन।				
संरचनाः प्रथम एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर श्रेणी के कोच।				

समय, ठहराव और कोच संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ।

ट्रेन नंबर 09001, 09003, 09730 और 04001 की बुकिंग सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू हो गई है। ये ट्रेनें स्पेशल किराए पर स्पेशल ट्रेन के तौर पर चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए ओरिजिनल आईडी प्रूफ साथ रखें।

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने देश को ऐसा संविधान दिया जो विविधता को एक साथ बांधता है - राज्यपाल आचार्य देवव्रत

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की दूरदर्शिता के कारण भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत विविधताओं का देश है। इतने बड़े राष्ट्र में एकता, न्याय और समानता की भावना को मजबूत करने के लिए संविधान बनाना एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक काम था। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने देश को ऐसा संविधान दिया जो देश की सामाजिक विविधता में सभी को एकजुट करता है और समान अधिकार प्रदान करता है।

वे मुंबई के दादर स्थित चैत्यभूमि में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित एक सम्मान समारोह में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधानसभा उपाध्यक्ष अन्ना बंसोडे, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, मृदा और जल संरक्षण मंत्री संजय राठौड़, सामाजिक न्याय

मंत्री संजय शिरसाट, पूर्व मंत्री संजय बंसोडे, विधायक कालिदास कोलंबकर, विधायक चित्रा वाघ, विधायक अमित साटम, पूर्व सांसद और महाराष्ट्र राज्य त्रिभाषी नीति समिति के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र जाधव, पूर्व सांसद राहुल शेवाले, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के पोते आनंदराज अंबेडकर, मुंबई नगर आयुक्त भूषण गगरानी, ??कोंकण संभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी, सामाजिक न्याय विभाग के प्रधान सचिव डॉ. हर्षदीप कांबले और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस समन्वय समिति के महासचिव नागसेन कांबले, समन्वय समिति के उपाध्यक्ष महेंद्र साल्वे आदि गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ जीवन के सभी क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति और डॉ. बाबासाहेब के अनुयायी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा, जब किसी राष्ट्र में कोई अग्रणी व्यक्ति जन्म लेता है, तो सामाजिक न्याय का आंदोलन मजबूत होता है। भले ही ऐसे अग्रणी व्यक्तित्व चले जाते हैं, लेकिन उनके विचार और कार्य हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहते हैं, इसीलिए बाबासाहेब अमर हैं। मुश्किल हालातों से सीखते हुए, उन्होंने शिक्षा को पूरे समाज का भविष्य बदलने का सबसे बड़ा हथियार माना। उन्होंने सीधे एक्शन से यह संदेश दिया कि एक पढ़ा-लिखा इंसान पूरे परिवार, समाज और देश का भविष्य बदल सकता है।

एकनाथ शिंदे के नाम पर फर्जी अधिकारी बन व्यापारी को लूटा, ठगे 2.8 करोड़ रुपए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक शख्स ने उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय में क्लास वन अधिकारी होने का दावा करके एक हीरा व्यापारी से लगभग 2 करोड़ 80 लाख रुपये की धोखाधड़ी की. इस मामले ने व्यापारियों और जनता में भारी चिंता पैदा कर दी है.

बनावट और साजिश के जरिए धोखाधड़ी

पुलिस के अनुसार, वैभव ठाकुर नाम के शख्स ने उत्तराखंड, गोवा और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों के साथ करीबी संबंध होने का दावा किया और सोना, नकद, हीरे और अन्य कीमती आभूषण लेकर व्यापारियों को चूना लगाया. ठाकुर ने घोटाले को अंजाम देने के लिए कई बार बनावट और साजिश रची. इस मामले में एलटी मार्ग पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ धोखाधड़ी और साजिश रचकर अपराध करने का मामला दर्ज किया गया है.

गोवा में भी किया घोटाला

ठाकर का कारनामा महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं रहा. उसने गोवा में जाकर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की उपस्थिति में व्यापारियों को बहलाया और 31 लैपटॉप बांटे. यहां भी उसने अपने प्रभाव का दिखावा कर लोगों को प्रभावित किया और आर्थिक लाभ हासिल किया.

मुख्यमंत्री के बंगले पर झूठा दावा

वैभव ठाकुर ने दावा किया कि वह मुख्यमंत्री के वर्षा बंगले में गाड़ी लेकर जा सकता है और मुख्यमंत्री के साथ उठने-बैठने का अनुभव रखता है. उसने पीली बत्ती वाली कार में बैठकर व्यापारियों को बंगले तक ले जाने का दिखावा किया. हालांकि, जब बंगले में मुख्यमंत्री मौजूद नहीं थे, तो उसने बहाने बनाकर अपना झूठ छुपा लिया.

इस धोखाधड़ी में शैलेश जैन जैसे जमीन और हीरे के व्यापारी भी ठाकर के झांसे में आ गए. ठाकर ने अपने दिखावे और बनावट के दम पर करोड़ों का चूना लगाया, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ. पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और वैभव ठाकुर की गिरफ्तारी के साथ-साथ उसके पीछे छिपे अन्य साजिशकर्ताओं का पता लगाने के लिए कार्रवाई जारी है. यह मामला स्पष्ट करता है कि किसी भी अधिकारी या प्रभाव के नाम पर ठगी करने वाले अपराधियों से सतर्क रहना बेहद जरूरी है.

मुंधवा लैंड डील घोटाले में बड़ा खुलासा, शीतल तेजवानी के 1000 पन्नों के सबमिशन से जांच पर उठे सवाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे के चर्चित मुंधवा लैंड डील घोटाले में नया मोड़ आ गया है. इस केस की मुख्य आरोपी शीतल तेजवानी द्वारा खड़गे कमेटी को दिया गया विस्तृत सबमिशन के हाथ लग गया है. यह वही मामला है जिसमें अमाडिया एंटरप्राइजेज थ्थ्झ और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार का नाम सामने आया था. तेजवानी ने यह सबमिशन गुरुवार (4 दिसंबर) को अपने वकील दीपाली केदार के जरिए जमा किया था, लेकिन उससे ठीक एक दिन पहले ही पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

1,000 पन्नों का सबमिशन, जांच पर उठाए सवाल

तेजवानी के इस सबमिशन में 1,000 से ज्यादा पन्ने हैं, जिसमें उन्होंने जांच की जुरिस्डिक्शन, निष्पक्षता और कानूनी आधार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. उनका कहना है कि राजस्व विभाग की कई कार्रवाइयां पहले से ही बॉम्बे हाई कोर्ट की निगरानी में चल रही हैं, ऐसे में वही विभाग इस केस में स्वतंत्र जांच कैसे कर सकता है?

उन्होंने साफ कहा है कि जब खुद राजस्व विभाग न्यायिक समीक्षा के दायरे में है, तो वह अपने ही विवादित फैसलों की निष्पक्ष जांच नहीं कर सकता.

वतनदार परिवार से पुराने विवाद का हवाला

तेजवानी का दावा है कि वतनदार परिवार पिछले कई दशकों से राजस्व विभाग के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहा है. ऐसे में विभाग इस मामले में बिना पक्षपात के जांच नहीं कर सकता. उनके मुताबिक, खड़गे कमेटी का इस विषय पर निर्णय देना हाई कोर्ट में लंबित मामलों पर समानांतर सुनवाई जैसा होगा, जो न्यायिक व्यवस्था के बिल्कुल खिलाफ है.

जमीन डील पूरी तरह वैध थी- तेजवानी

अपने बचाव में तेजवानी ने जोर देकर कहा है कि यह जमीन सौदा पूरी तरह कानूनी था. उन्होंने दावा किया कि उनके पास वतनदार परिवार द्वारा जारी रजिस्टर्ड और नोटराइज्ड पावर ऑफ अटॉर्नी मौजूद है, जो उन्हें डील से संबंधित अधिकार प्रदान करती है.

सबसे बड़ा आरोप उन्होंने अमाडिया एंटरप्राइजेज LLP पर लगाया है. तेजवानी का कहना है कि अमाडिया ने इस डील में एक भी रुपया नहीं दिया. उनके अनुसार, भुगतान न होने की स्थिति में सेल डीड वैध नहीं मानी जा सकती और ऐसे में जमीन का स्वामित्व वतनदार परिवार के पास ही रहता है.

नितेश राणे का विवादित बयान, 'भारत की हर इंच जमीन पर हिंदुओं का हक, किसी भी जिहादी को...'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने कहा कि हमारे हिन्दू राष्ट्र में हिन्दू समाज के लिए शनिवार का दिन गर्व का दिन है. भारत की हर एक इंच भूमि पर यहां के हिन्दुओं का ही अधिकार है. अभी अयोध्या में मंदिर बना है काशी मथुरा बाकी है.

उन्होंने ये भी कहा कि देश हर में हमारे जितने भी मंदिर थे उन सभी को हमें वापस पाना है. हम देश में किसी भी जिहादी को लैंड जिहाद नहीं करने देंगे. बता दें कि 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी है. 1992 को गिराए गए विवादित ढांचा विध्वंस के 33 साल हो गए.

6 दिसंबर 1992 को गिराया गया था विवादित ढांचा

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या लाखों कारसेवकों की भीड़ इकट्ठा हुई थी.

वीएचपी नेता अशोक सिंघल, बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी, मनोहर लाल जोशी समेत बड़ी संख्या में दिग्गज नेताओं और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा. बेकाबू हुई भीड़ ने मस्जिद की संरचनाओं को तोड़ दिया. बाबरी विध्वंस की घटना के बाद देश के कई हिस्सों में दंगे हुए थे, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान गई थी.

हिंदू समाज की एकजुटता पर नितेश राणे का जोर

कुछ महीने पहले भी महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने हिंदू समाज की एकजुटता और धार्मिक स्वतंत्रता पर जोर देते हुए कहा था कि हिंदू समाज कभी किसी के साथ अन्याय नहीं करता, लेकिन अगर कोई उनके साथ गलत करता है, तो उसे सहन भी नहीं किया जाएगा.

इससे पहले भी नितेश राणे ने कहा था, ''महाराष्ट्र में एनडीए सरकार होते हुए हिंदुओं को कोई नहीं डरा सकता है. हम हिंदुओं के चौकीदार हैं. उन्होंने कहा कि हिंदू समाज का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है, हम भी यहां खड़े हुए हैं. मुंबई का डीएनए हिंदू है और अब नगर निगम में सिर्फ भगवा झंडा ही रहेगा.'' उन्होंने ये भी कहा था कि मैं हिंदुओं के वोट से विधायक बना हूं. अगर मैं हिंदुओं की बात नहीं करूंगा तो किसकी करूंगा?

पुणे बनेगा मॉडर्न क्रिकेट ट्रेनिंग का नया सेंटर, एकेडमी की घोषणा, क्या होंगी सुविधाएं?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

खेलों के प्रति जुनून रखने वाले महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे शहर में अब क्रिकेट प्रतिभाओं को और भी सशक्त मंच मिलने वाला है. मशहूर क्रिकेटर ऋतुराज गायकवाड़ और केदार जाधव के शहर से नए टैलेंट उभारने के मकसद से पुनीत बालन ग्रुप ने शहर में अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली 'पुनीत बालन क्रिकेट अकादमी' शुरू करने का फैसला किया है, जो देश की प्रमुख निजी क्रिकेट सुविधाओं में गिनी जाएगी. यह संस्थान उन युवा क्रिकेटरों के लिए बड़ा अवसर साबित होगा जो पेशेवर स्तर तक पहुंचना चाहते हैं.

महाराष्ट्र में अलग-अलग खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रसिद्ध पुनीत बालन ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर पुनीत बालन ने कहा, ''भारत में क्रिकेट के प्रति लोगों के गहरे लगाव को ध्यान में रखते हुए यह अकादमी बनाई जा रही है. वडगांव स्थित सिंहगढ़ कॉलेज मैदान और लोनावाला क्रिकेट ग्राउंड को विकसित कर प्रशिक्षण केंद्र के रूप में तैयार किया जाएगा, जहां सभी सुविधाएं बीसीसीआई की स्टैंडर्ड और जरूरतों के अनुरूप होंगी''.

खिलाड़ियों को ट्रेनिंग के लिए अनुभवी कोच होंगे नियुक्त

बालन ने यह भी जानकारी दी कि आने वाले सीजन से इन ग्राउंड्स पर बीसीसीआई से प्रमाणित घरेलू मैच कराए जाएंगे. खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के लिए अनुभवी और बोर्ड-मान्यता प्राप्त कोच नियुक्त किए जाएंगे. इस पहल से पुणे के क्रिकेट ढांचे को नया आयाम मिलना तय है. अकादमी में दाखिले 1 जनवरी से शुरू होंगे, जबकि ट्रेनिंग सत्र 15 जनवरी से शुरू होगा.

महाराष्ट्र के क्रिकेट को मिलेगी नई पहचान!

चूंकि यह पेशेवर ढांचे पर आधारित परियोजना है, इसलिए प्रवेश संख्या सीमित रखी जाएगी. युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का मार्ग उपलब्ध कराना इस अकादमी का प्रमुख लक्ष्य है. अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और विशेषज्ञ कोचिंग की मदद से महाराष्ट्र के क्रिकेट को नई पहचान दिलाने की योजना है.

महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अलग बैच

महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अलग बैच बनाए जाएंगे, जिनमें प्रशिक्षण शुल्क भी रियायती रखा जाएगा. इसे प्रदेश में महिला क्रिकेट के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. मानसून के दौरान भी अभ्यास जारी रहे, इसके लिए दोनों मैदानों पर तीन-तीन इनडोर प्रैक्टिस विकेट तैयार किए जा रहे हैं.

हॉस्टल के साथ कई अन्य सुविधाएं

साथ ही हॉस्टल सुविधा होने से बाहर के खिलाड़ियों को भी समुचित व्यवस्था मिल सकेगी. अकादमी में जिम, स्विमिंग पूल, फिटनेस ट्रेनिंग और स्पोर्ट्स कंडीशनिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी. इसके साथ ही खिलाड़ियों को पीबीजी ज्यूडिशियल क्रिकेट क्लब के माध्यम से कई प्रतिष्ठित निमंत्रणीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने का अवसर भी मिलेगा.

बैंक लॉकर से शिवसेना नेता की रिवॉल्वर और गहने गायब, पूर्व विधायक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आम नागरिक हों या बिज़नेसमैन, बैंक अकाउंट होल्डर्स अपने सोने के सिक्के और ज़रूरी कीमती सामान बैंक लॉकर में रखते हैं. बैंक की कुशलता पर भरोसा करके कस्टमर निश्चिंत रहता है और मानता है कि ये सामान सुरक्षित है. लेकिन, जब बैंक लॉकर से सोने के सिक्के गायब हो जाते हैं, तो हर कोई हैरान रह जाता है.

हाल ही में एक ऐसा ही मामला महाराष्ट्र के मुंबई से सामने आई है, यहां शिवसेना नेताओं और पूर्व MLA के कीमती सामान और रिवॉल्वर बैंक लॉकर से चोरी होने के बाद हड़कंप मच गया है. शिवसेना शिंदे ग्रुप के लीडर कृष्णा हेगड़े के बैंक लॉकर में चोरी की घटना सामने आई है और लॉकर में रखे कीमती सामान और रिवॉल्वर चोरी हो गए हैं. इस बारे में कृष्णा हेगड़े ने मुंबई के विले पार्ले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है.

लॉकर में रखा सामान कैसे गायब हुआ?

कर्नाटक बैंक की विले पार्ले ईस्ट ब्रांच में बैंक के शिवसेना लीडर के कीमती सामान और हथियार लॉकर से चोरी हो गए. कृष्णा हेगड़े ने सितंबर में बैंक में कीमती गहने और अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर जमा की थी. लेकिन, अब जब ये सभी सामान बैंक लॉकर से गायब हैं तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया है. विले पार्ले पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है कि चोरी किसने की? लॉकर में रखा सामान असल में कैसे गायब हुआ, इसका पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है.

कुछ पैसे और कीमती सामान गायब

इस बीच, कृष्णा हेगड़े और उनका परिवार पिछले 40 सालों से कर्नाटक बैंक में बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं. 19 सितंबर, 2025 को कृष्णा हेगड़े बैंक की विले पार्ले ईस्ट ब्रांच गए और अपने बैंक लॉकर में कीमती सामान और पैसे रख दिए. उसके बाद, 22 अक्टूबर, 2025 को वह फिर से बैंक ब्रांच गए. उस समय उन्होंने बैंक लॉकर खोला तो उन्हें कुछ गड़बड़ मिली और देखा गया कि कुछ पैसे और कीमती सामान गायब थे. उन्होंने इस बारे में ब्रांच मैनेजर मनीष कुमार क्लस्टर मैनेजर हरि सरीन और DGM राजगोपाल भट्ट के साथ मीटिंग की, लेकिन कृष्णा हेगड़े ने कहा कि उन्हें सही जवाब नहीं मिला.

डांसर लड़की ने लॉज में लगाई फांसी, बीजेपी के पूर्व पार्षद पर शादी के लिए दबाव डालने का आरोप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के जामखेड के खर्डा रोड पर स्थित एक लॉज में कला केंद्र में नाचने वाली 35 साल की दीपाली पाटिल नामक डांसर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर ली. यह घटना हाल ही में सामने आई थी. इस घटना में शामिल राजनीतिक कनेक्शन पर वर्तमान में जोरदार चर्चा चल रही है. संदीप सुरेश गायकवाड़ नामक व्यक्ति के दबाव के कारण दीपाली पाटिल ने सुसाइड की, ऐसा कहा जा रहा है. बीजेपी (व्ङ्ग) के पूर्व पार्षद संदीप गायकवाड़ ने दीपाली से शादी करने के लिए जोर डाला था.

शादीशुदा होने के बाद भी शादी करना चाहता था संदीप

विशेष रूप से, संदीप गायकवाड़ शादीशुदा हैं. फिर भी, वह दीपाली पाटिल से शादी करना चाहते थे. इसके लिए पिछले कुछ दिनों से संदीप गायकवाड़ दीपाली को परेशान कर रहे थे, ऐसी प्रारंभिक जानकारी सामने आई है. इस मामले में पुलिस ने संदीप गायकवाड़ के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है और उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है. अब उसकी जांच से क्या नई जानकारी सामने आएगी, इस पर सभी की निगाहें

टिकी हैं.

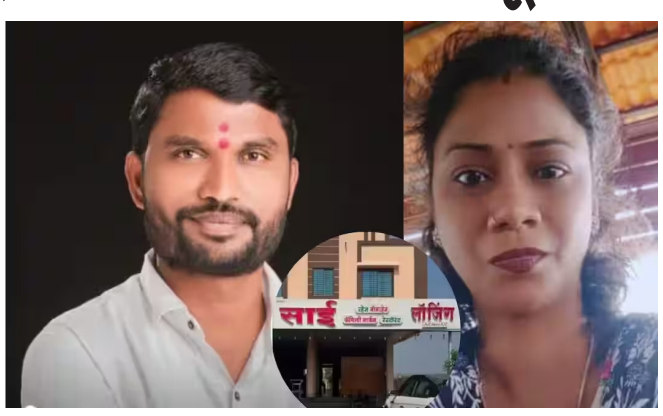

वर्तमान में, जामखेड के राजनीतिक हलकों में इस घटना पर बहुत चर्चा हो रही है. संदीप गायकवाड़ खुद बीजेपी के पूर्व पार्षद थे. जबकि संदीप गायकवाड़ की पत्नी लता गायकवाड़ ने नगर परिषद चुनाव में वार्ड नंबर 5 से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा है. इसका परिणाम 21 दिसंबर को घोषित किया जाएगा. हालांकि, इससे पहले हुई इस घटना ने जामखेड में खलबली मचा दी है.

पुलिस स्टेशन में संदीप के खिलाफ मामला दर्ज किया

आखिरकार सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में जामखेड पुलिस स्टेशन में संदीप गायकवाड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. यह वही आरोपी है जिसकी पत्नी को बीजेपी ने पार्षद पद के लिए उम्मीदवार बनाया है. अपनी शादी के बावजूद एक डांसर पर शादी करने का दबाव डालने के कारण, इस आरोपी के कारण उसे सुसाइड करने का समय आ गया.

इस घटना ने बीजेपी का असली चेहरा सामने ला दिया और ऐसे कई नमूने हैं जिन्हें बीजेपी ने नगर परिषद चुनाव में उम्मीदवार बनाया है.. यही है र्क्ष्र्ब्रैबूफ्गीहम बीजेपी. अब किसी भी दबाव में आए बिना सुसाइड करने वाली महिला को न्याय मिलना चाहिए. एक महिला को न्याय मिले, इसके लिए हमारी भी इस अपराध की जांच पर बारीकी से नजर रहेगी.

वास्तव में क्या हुआ?

दीपाली पाटिल मूल रूप से कल्याण की रहने वाली थीं. वह अपनी सहेलियों के साथ जामखेड के तपनेश्वर इलाके में रह रही थी. उसने गुरुवार को बाजार जाने की बात कहकर घर से निकली. लेकिन कई घंटे बीत जाने के बाद भी वापस न आने पर सहेलियों ने खोजबीन शुरू कर दी. साथ ही, दीपाली जिस रिक्शा से गई थी, उसके चालक से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने उसे साईं लॉज में छोड़ दिया था.

इसलिए, जब सहेलियां शाम को लॉज पहुंचीं, तो कमरा अंदर से बंद था. लॉज के कर्मचारियों ने डुप्लीकेट चाबी से दरवाजा खोला तो दीपाली पंखे से लटकी हुई मिली. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जामखेड ग्रामीण अस्पताल भेज दिया था.

सम्पादकीय

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश?

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें 'स्पेस स्टेशनों' से योजना बना रहे हैं। सुखद खबर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की 'मिसाइल अटैक' वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित 'अतंराष्टीय स्पेस सेंटर' में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का 'इंटरनेशनल स्पेस सेंटर' बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी।

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाइयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाइयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वर्निमित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही 'एक्सिओम मिशन-4' क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है।

अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की पड़ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है। इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है।

मसूरी में 600 ट्रेनी आईएएस अधिकारी और एक सवाल

'एक उंगली पर गिनने वाला सवाल और भविष्य के एडमिनिस्ट्रेटर तैयार करने की सच्चाई।'

डॉ. प्रियंका सौरभ

उत्तराखंड के शांत, अनुशासित और सभ्य माहौल में स्थित, मसूरी का मशहूर एडमिनिस्ट्रेटिव एकेडमी कैंपस - लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन - देश के टॉप सिविल सर्वेंट्स को तैयार करने का एक मुख्य केंद्र है। आज भी, 600 से ज़्यादा ऑफिसर ट्रेनी भारतीय प्रशासन के भविष्य को आकार देने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में, 100वें फाउंडेशन कोर्स का विदाई समारोह हुआ, जो किसी भी संस्थान के लिए गर्व का पल होता है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम की शान और बढ़ा दी।

समारोह के दौरान, रक्षा मंत्री ने एक आसान सा गणित का सवाल पूछा - 'एक आदमी के पास कुछ पैसे थे। उसने आधे A को दिए, एक तिहाई B को दिए, और बचे हुए 100 रुपये C को दिए। कुल रकम कितनी थी?'

रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाला यह आसान सा सवाल, ट्रेनीज़ के लिए अप्रत्याशित साबित हुआ। कई ट्रेनी ऑफिसर कन्फ्यूज हो गए, जबकि इसका जवाब आसानी से मिल सकता था। बाद में, राजनाथ सिंह ने खुद इसे आसान तरीके से समझाया। हालांकि यह घटना छोटी लग सकती है, लेकिन यह एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग और लीडरशिप स्किल्स की सही दिशा के बारे में एक बहुत ही महत्वपूर्ण सीख देती है।

एडमिनिस्ट्रेटिव काम का सार सिर्फ कानूनों और नियमों का ज्ञान नहीं है, बल्कि जल्दी समझने, लॉजिक लगाने और प्रैक्टिकल समाधान खोजने की क्षमता है। कभी-कभी, सबसे मुश्किल हालात में, सबसे आसान समाधान ही सबसे अच्छा होता है - लेकिन इसके लिए खुले विचारों और प्रैक्टिकल सोच की ज़रूरत होती है। यही वह खूबी है जो एक काबिल एडमिनिस्ट्रेटर को भीड़ से अलग करती है।

यह घटना इस बात की भी याद दिलाती है कि सिविल सर्विस सिर्फ किताबी ज्ञान का अभ्यास नहीं है; इसके लिए इंसान के स्वभाव, सामाजिक व्यवहार, जल्दी फैसले लेने और कॉमन सेंस की भी समझ होनी चाहिए। किसी भी शासन व्यवस्था में सबसे असरदार अधिकारी वह होता है जो मुश्किल समस्याओं को आसानी से हल करने की क्षमता रखता हो।

ट्रेनिंग का लक्ष्य सिर्फ ज्ञान हासिल करना नहीं है, बल्कि प्रैक्टिकल समझ का विकास करना भी है। एक आसान सा सवाल ट्रेनीज़ को याद दिलाता है कि असली एडमिनिस्ट्रेशन वह है जो खेतों, बाज़ारों, पुलिस स्टेशनों, पंचायत भवनों और दफ्तरों में होता है - जहाँ सादगी, मुश्किल चीज़ों से ज़्यादा काम आती है। राजनाथ सिंह के पूछे गए सवाल से एडमिनिस्ट्रेटिव सोच के दो ज़रूरी पहलू सामने आते हैं -

पहला, ऑफिसर का ध्यान प्रॉब्लम की जड़ पर होना चाहिए, न कि उसकी ऊपरी मुश्किलों पर।

दूसरा, किसी भी चुनौती में घबराएं नहीं, बल्कि उसे बांटकर आसान तरीके से सॉल्व करें।

सिविल सर्विस में कई ऐसे मौके आते हैं जब एक ऑफिसर को अचानक लिए गए फैसलों के आधार पर जनता को राहत, दिशा और सुरक्षा देनी होती है। अगर कोई ऑफिसर थोड़े से दबाव में भी कॉमन सेंस बनाए रखने में माहिर है, तो वह एक बेहतर एडमिनिस्ट्रेटर बन सकता है।

यह बात एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है: क्या मॉडर्न ट्रेनिंग बहुत ज़्यादा टेक्निकल, थ्योरेटिकल या फॉर्मल हो गई है? क्या हम एडमिनिस्ट्रेशन की बुनियादी बातों - सादगी, संवेदनशीलता और कॉमन सेंस - को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं?

सिविल सर्विस का इतिहास दिखाता है कि देश के सबसे अच्छे ऑफिसर वे रहे हैं जिनमें तेज़ दिमाग के साथ-साथ सिंपल सोच, पब्लिक रिलेशन स्किल्स और तुरंत फैसला लेने की काबिलियत थी।

आज, जब देश नई चुनौतियों - टेक्नोलॉजी, मुश्किल एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम, बढ़ती आबादी और तेज़ी से हो रहे बदलावों - का सामना कर रहा है, तो एक एडमिनिस्ट्रेटर की भूमिका और भी बड़ी और कई पहलुओं वाली हो गई है।

ऐसे समय में, यह ज़रूरी है कि ट्रेनिंग सिर्फ एग्जाम और किताबी ज्ञान तक ही सीमित न रहे, बल्कि इसमें प्रैक्टिकल मैथ, रीजनिंग, कॉमन सेंस, साइकोलॉजिकल बैलेंस और सिचुएशनल एनालिसिस भी शामिल हो।

राजनाथ सिंह का यह आम सा सवाल एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी को यह मैसेज देता है कि लीडरशिप की असली परीक्षा कभी-कभी छोटे-छोटे पलों में होती है। बड़े फैसलों का आधार वह ऑफिसर होता है जो बेसिक समझ को नज़रअंदाज़ नहीं करता।

यह घटना यह भी साफ करती है कि ट्रेनिंग के दौरान ऐसे अचानक पूछे गए सवाल ऑफिसर के दिमाग को तेज़ करते हैं, उसे दबाव में सोचने की काबिलियत देते हैं और उसे असली एडमिनिस्ट्रेटिव दुनिया के लिए मानसिक रूप से तैयार करते हैं।

समय के साथ, यह ज़रूरी हो गया है कि सिविल सर्विस ट्रेनिंग अकादमियां इन बातों को और बेहतर बनाएं।

अंतरात्मा के बोझ को उतार फेंकती है गलती और अपराध को लेकर प्रायश्चित की प्रक्रिया, अपने मर्ज का डाक्टर बनने का नहीं करना चाहिए प्रयास

जब कभी व्यक्ति के जीवन में परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं, दिल और दिमाग में आशंकाओं के बादल गहरा जाते हैं। ऐसे में कमजोर मनोबल के चलते आदमी मानसिक दृष्टि से टूट जाता है और इसका प्रभाव शारीरिक तौर पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगता है। अनिष्ट की आशंका आमतौर पर सकारण होती है, लेकिन अत्यधिक विचारशील होने के चलते कई बार अकारण भी हो जाती है। कभी-कभी तो अपने ही विचारों में खोकर इंसान अनजानी आशंका से भी घिर जाता है, जिसे वह स्पष्ट तौर पर परिभाषित नहीं कर सकता। बस, ऐसे ही और यों ही उसे ऐसा प्रतीत होने लगता है कि उसके साथ कुछ गलत घटने वाला है।

अनेक अवसरों पर इंसान की एकतरफा सोच उसे तमाम तरह की आशंकाओं के घेरे में ले लेती है। कभी-कभी तो विचार-चक्र का सिलसिला ऐसा चलता है कि बिना किसी ठोस कारण के भी आदमी भारी अनिष्ट की आशंका से घिर जाता है। ऐसे मामले आसपास देखे जा सकते हैं जिनमें किसी गंभीर बीमारी के साधारण लक्षण जैसा कुछ पाए जाने पर भी खयालों ही खयालों में अपने जीवन की पारी समाप्त होने की आशंका से त्रस्त हो जाता है। चाहे यह उसकी भ्रांति हो कि उसे गंभीर रोग है। वैसे अनेक अवसरों पर देखा गया है कि गंभीर बीमारी के प्रारंभिक लक्षण पाए जाने पर भी आदमी परिजनों से यह बात छिपा कर चलता है और भीतर ही भीतर घुलने लगता है।

ऐसे में जब कभी आदमी आशंकाओं के बादल से घिर जाता है, सीधे तौर पर उसकी कार्यक्षमता प्रभावित हुए बिना नहीं रहती। कई बार ऐसा भी होता है कि जरूरत से ज्यादा जानकारी किसी के लिए अपने जीवन में भारी पड़ सकती है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि नकारात्मक तथ्यों के प्रति काफी हद तक तटस्थ दृष्टिकोण रखना चाहिए। दरअसल, हर एक समस्या के निवारण के लिए सामाजिक परिवेश में अलग-अलग प्रकार के प्रकल्प हुआ करते हैं। सबका अपना-अपना कार्य क्षेत्र होता है और अपनी अपेक्षित भूमिका के निर्वहन के लिए ये पूरी तरह से पारंगत हुआ करते हैं। सीधी-सी बात है कि हमें अपने मर्ज का डाक्टर बनने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

समस्या चाहे जो हो, लगभग हर समस्या का समाधान है।

इसलिए जो समस्या का निराकरण करने में पूर्ण रूप से सक्षम है, उसका आसरा लेना ही वह एकमात्र रास्ता है, जिसके माध्यम से हम अपनी समस्या का निवारण कर सकते हैं। अनावश्यक रूप से केवल चिंता के भंवरजाल में उलझे रहने का कोई अर्थ नहीं है। वैसे भी हर एक आदमी के कार्य क्षेत्र की अपनी अलग-अलग सीमाएं होती हैं। हर एक आदमी हर एक काम कर सके, यह कतई संभव नहीं। हम सामाजिक परिवेश में अपनी योग्यता के अनुरूप काम करते हुए अन्य की योग्यता के अनुरूप किए गए काम से लाभान्वित होते हैं। ठीक इसी तर्ज पर हमें यह मानकर चलना चाहिए कि केवल हम ही सर्वशक्तिमान नहीं है।

अगर यह मान भी लिया जाए कि होनी होकर रहती है, तो अनहोनी को टालने का प्रयास अवश्य होना चाहिए। यह सोचकर चुप नहीं रहा जा सकता कि जब-जब जो-जो होना है, तब-तब वह तो होना है। दरअसल, आदमी ने हर किसी क्षेत्र में अपने विजेता भाव को दर्शाया है। चांद सितारों की दुनिया भी अब उसकी पहुंच में दिखाई देने लगी है। कल तक जो कुछ असंभव था, आज लगभग संभव होता जा रहा है। यह सब परिवर्तन लीक से हटकर किए गए प्रयासों का ही सुखद परिणाम है। ऐसी स्थिति में विपरीत परिस्थितियों में भी हमें अपना मनोबल कायम रखने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सशक्त मनोबल असंभव को संभव सिद्ध कर सकता है। इसलिए परिस्थितियों से जूझने का माद्दा हर चुनौती से पार ले जा सकता है।

हर तरह की गलती और अपराध को लेकर प्रायश्चित की प्रक्रिया अंतरात्मा के बोझ को उतार फेंकती है। गलती और अपराध की स्वीकृति हर हाल में सकारात्मक परिणाम की कारक सिद्ध होती है। हालांकि कुछ गलती और अपराधों को लेकर कानून और व्यवस्था में प्रावधान है, लेकिन हमारी अंतरात्मा पर बोझ बनी कोई गलती या अपराध ऐसा है जो कानून और व्यवस्था की जद में नहीं है, उसके साक्षी तो केवल हम ही हैं। इसलिए भी मन बोझिल हो जाता है। इसलिए अंतरात्मा के इस बोझ को स्वीकृति के माध्यम से उतारा जा सकता है। यकीनन ऐसा करने पर चित्त को इतना सुकून मिलता है, जिसे शब्दों के माध्यम से व्यक्त नहीं किया जा सकता।

एक प्रकार से गलती या अपराध की स्वीकृति के चलते हृदय में निर्मल परिणाम बनने लगते हैं और इंसान देखते ही देखते अजातशत्रु के रूप में अपनी छवि निर्मित कर लेता है। मनोविकार सर्वथा लुप्त हो जाते हैं और दिल और दिमाग में एक विशेष प्रकार की रचनात्मकता का बोध होने लगता है। इस स्थिति में आने पर ऐसे भाव जागृत होते हैं, जैसे मैं संसार का और संसार मेरा। कोई पराया नहीं, सब अपने ही अपने हैं। ऐसा भी लगने लगता है कि सचमुच यह जमाना जीने के लायक है। निश्चित रूप से जब आशंका के बादल छंट जाते हैं, अंतर्मन की कली-कली खिल जाती है, तब फिर हम जमाने को दोष नहीं देते और अपने मूल स्वभाव के अनुरूप उत्तम विचारों से लबरेज हो जाते हैं। यों कहें कि जिंदगी का आनंद लेने लगते हैं।

अमेरिकी व्यापार नीति बनाम भारतीय किसान, क्या देसी खेती पर मंडरा रहा है संकट?

अमेरिका में कृषि का स्वरूप व्यावसायिक है, जबकि भारत में अधिकतर लोगों का जीवन निर्वाह खेती और गहन निर्यात पर निर्भर करता है। यह लाखों छोटे भारतीय किसानों की आजीविका बनाम अमेरिकी कृषि व्यवसाय के हितों का सवाल है। भारतीय किसान पिछले चार वर्षों से फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी के लिए और बाजारों तथा उनकी जमीन पर कारपोरेट नियंत्रण के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा पारस्परिक शुल्क लागू करना हमारी कृषि के लिए एक गंभीर झटका होगा।

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह सिर्फ व्यापारिक चुनौती नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र की स्थिरता और किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार है। रिसर्च थिंक टैंक, जीटीआरआइ (वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल) के अनुसार भारत अमेरिकी शुल्क से गंभीर रूप से प्रभावित होगा। अमेरिका के साथ कृषि व्यापार में अधिशेष के बावजूद, कृषि, परिधान, आटोमोबाइल, गाड़ियों के पुर्जे, आभूषण और अन्य छोटे तथा मध्यम उद्योगों पर अमेरिका की नई व्यापार नीति से प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कृषि व्यापार सिर्फ आठ अरब डालर का है, जिसमें अमेरिका को व्यापार घाटा हो रहा है।

भारत मुख्य रूप से चावल, झींगा, शहद, वनस्पति अर्क, अरंडी का तेल और काली मिर्च निर्यात करता है, जबकि अमेरिका बादाम, अखरोट, पिस्ता, सेब और दाल निर्यात करता है। नए पारस्परिक शुल्क के तहत हमें गेहूं, मक्का, दालें, मांस, दुग्ध उत्पाद और कई अन्य चीजें आयात करनी पड़ेंगी, जो किसानों की आजीविका तथा देश की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है, मगर अमेरिका का 38.29 फीसद शुल्क लागू होने से 600 रुपए कीमत वाला देसी घी 760 रुपए प्रति लीटर हो जाएगा और यह बढ़ी हुई 160 रुपए कीमत सीधे अमेरिकी कृषि व्यवसायी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पास जाएगी।

अमेरिका में एक कुंतल गेहूं के उत्पादन की लागत 1700 रुपए है, जबकि भारत सरकार द्वारा एक कुंतल गेहूं का घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए है। स्पष्ट है, भारतीय किसान लागत में अमेरिकी किसान का मुकाबला नहीं कर सकता। भारत में किसानों के पास औसतन एक हेक्टेयर से कम जमीन है। अगर गेहूं और धान के घरेलू बाजार अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए खोल दिए जाएं तो भारतीय किसान की क्या स्थिति होगी, कहना बहुत मुश्किल है।

व्यापार शुल्क दरअसल, समृद्ध पश्चिमी देशों के पक्ष में मूल्य असंतुलन को दूर करने का हथियार है। व्यापार शुल्क में कोई भी वृद्धि भारतीय निर्यात को अमेरिका में कम प्रतिस्पर्धी बना देगी। डोनाल्ड ट्रंप की पारस्परिक शुल्क नीति से भारतीय कृषि उत्पाद, समुद्री खाद्य और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अमेरिका में 31 फीसद अधिक महंगे हो जाएंगे। इससे अमेरिकी उपभोक्ता महंगे भारतीय खाद्य पदार्थ के मुकाबले सस्ते वैकल्पिक उत्पादों को वरीयता देंगे। दूसरी तरफ, अमेरिका भारत के साथ अपने 45 अरब डालर के व्यापार घाटे को कम करने के लिए प्रमुख कृषि निर्यात- गेहूं, कपास, मक्का, सोया और मांस को भारत में निर्यात करने की योजना बना रहा है। अमेरिका का भारत को कृषि सबसिडी कम करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य खत्म करने और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों, अमेरिकी मक्खन, मांस और दुग्ध उत्पाद के लिए भारतीय बाजार खोलने का सुझाव देना, वैश्विक कृषि में विषमता की अनदेखी करता है।

भारत और अन्य विकासशील देशों को विश्व व्यापार संगठन यानी डब्लूटीओ द्वारा कुछ फसलों में रियायत और सबसिडी दी गई थी, ताकि विकासशील देशों में घरेलू किसानों को विकसित देशों द्वारा फसल आयात की 'डंपिंग' से बचाया जा सके। मसलन, भारत कपास की प्रति एकड़ फसल के लिए आठ फीसद (8000 रुपए) तक की सबसिडी देता है। यह सिलसिला पिछले तीन दशक से जारी है। मगर ट्रंप की पारस्परिक शुल्क नीति के कारण डब्लूटीओ अप्रसांगिक हो गया है। भारत कपास, दूध, चावल, गन्ना और अन्य कृषि उत्पादों का अव्वल उत्पादक बनकर उभरा है। मगर नए पारस्परिक शुल्कों के कारण हमंस कपास, गेहूं, मक्का, डेयरी तथा अन्य उत्पादों को भी अमेरिका से आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। वनस्पति तेल में भी ऐसा ही है।

सन 1990 तक भारत तिलहन में आत्मनिर्भर था, मगर आयात करों में भारी कमी करके हमें अन्य डब्लूटीओ देशों से वनस्पति तेल आयात करने पर मजबूर होना पड़ा। आयातित सस्ते ताड़, सूरजमुखी और अन्य तेलों की 'डंपिंग' ने हमारे किसानों के लिए तिलहन की खेती को अलाभकारी बना दिया, और किसानों ने तिलहन की खेती छोड़ दी। इससे वनस्पति तेलों की भारी कमी हो गई और सरकार को वर्तमान में प्रति वर्ष, 16 अरब डालर का नुकसान वनस्पति तेल के आयात के कारण हो रहा है।

डर है कि मक्का, ज्वार और दालों के मामले में भी यही स्थिति हो सकती है, जो हमारे शुष्क भूमि वाले छोटे किसानों की खेती के लिए जीवन रेखा है। भविष्य में यह स्थिति, अमेरिका से सस्ते चावल, कपास, गेहूं और दुग्ध उत्पाद की 'डंपिंग' करने से हो सकती है और उक्त उत्पादों में भारतीय किसान अपनी फसल की लागत भी निकालने में सफल नहीं होंगे। वे बर्बादी के कगार पर पहुंचने लगेंगे, क्योंकि भारत में किसान पहले से कर्ज और फसल की वाजिब कीमत न मिलने से आत्महत्या कर रहे हैं।

इसलिए यह मसला लाखों छोटे भारतीय किसानों की आजीविका बनाम अमेरिकी कृषि व्यवसाय के हितों का है। कई हजार बड़े किसानों के साथ अमेरिकी कृषि व्यावसायिक है, जबकि भारत में 85 फीसद छोटे किसान अपनी आजीविका के लिए टिकाऊ खेती करते हैं। अमेरिकी किसानों को सभी फसलों के लिए सरकार द्वारा भारी सबसिडी दी जाती है, जबकि भारतीय किसान को खेती के खर्च पर आठ फीसद से कम सबसिडी मिलती है। इस विषमता को ध्यान में रखते हुए कृषि व्यापार में भारतीय किसान समान भागीदार नहीं हो सकता। इस तरह भारतीय किसानों पर समान पारस्परिक शुल्क नहीं लागू किया जाना चाहिए।

इस परिस्थिति से निपटने के लिए भारत की रणनीति अत्यंत सूझ-बूझ की होनी चाहिए। हमें अमेरिकी 'डंपिंग' से भारतीय किसानों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा देने के साथ कम शुल्क की भी बात करनी चाहिए। अमेरिकी शुल्क के विरुद्ध खड़े होने के लिए यूरोपीय संघ और ब्रिक्स देशों के साथ मोर्चा बनाना, द्विपक्षीय व्यापार की पहल करनी चाहिए तथा विश्व बाजार में भारतीय कृषि को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने, उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि अनुसंधान एवं खाद्य प्रसंस्करण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह भी हकीकत है कि कृषि प्रधान देश होने के बावजूद हमारी फसल उत्पादकता दुनिया के अन्य प्रमुख देशों के औसत से काफी पीछे है। ऐसे में अब भारत को न केवल अपने किसानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना होगा, बल्कि एक ऐसी नीति बनानी होगी, जो व्यापारिक उतार-चढ़ाव के बीच भी उसकी स्थिरता सुनिश्चित कर सके।

मनोरंजन

ऐश्वर्या राय बच्चन ने खोली परिवार की बड़ी कहानी, अभिषेक और आराध्या का किया ज़िक्र

मुंबई। एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन को किसी खास पहचान की ज़रूरत नहीं है। भले ही वह बॉलीवुड में एक्टिव नहीं हैं, लेकिन एक्ट्रेस हमेशा किसी न किसी वजह से खबरों में रहती हैं। भले ही ऐश्वर्या फिल्मों में नज़र नहीं आतीं, लेकिन वह इवेंट्स में जाती हैं और चर्चा का विषय बन जाती हैं... हाल ही में ऐश्वर्या ने रेड सी फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया... जहां ऐश्वर्या के लुक की हर जगह चर्चा हुई। एक्ट्रेस की कई फोटो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इतना ही नहीं, इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने ऐसा बयान दिया, जिससे हर जगह सिर्फ ऐश्वर्या की प्राइवेट लाइफ की ही चर्चा हो रही है।

ऐश्वर्या राय ने कहा कि वह कम फिल्में करने और अपने परिवार को प्राथमिकता देने से असुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने मदरहुड और करियर के बारे में कहा, 'आराध्या का ख्याल रखते हुए और अभिषेक (पेपर) के साथ रहते हुए मुझे एक बात समझ में आई है और वो ये कि अगर मैं कोई फिल्म साइन भी नहीं करती, तो भी मुझे इनसिक्योरिटी महसूस नहीं होतीष्ठ इनसिक्योरिटी कभी भी मेरे लिए ड्राइविंग फोर्स नहीं रही।'

ऐश्वर्या ने आगे कहा, 'मैं कभी भी इनसिक्योर और अनकम्फर्टेबल महसूस नहीं करती.. मुझे हमेशा पता रहता है कि मैं कौन हूंष्ठ और ये अवेयरनेस होना बहुत ज़रूरी है..' एक्ट्रेस ने ये भी कहा। इससे मुझे कभी कोई फर्क नहीं पड़ाष्ठ जब मैंने बॉलीवुड में डेब्यू किया, तो किसी ने मुझे लॉन्च नहीं किया। मैंने बस काम करके अपना डेब्यू कियाष्ठ' ऐश्वर्या राय ने ये भी कहा।

ऐश्वर्या की बात करें तो एक्ट्रेस ने बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं। इतना ही नहीं, एक समय ऐसा भी था जब ऐश्वर्या की खूबसूरती के फैंस ही नहीं बल्कि एक्टर और डायरेक्टर भी कायल थे। डायरेक्टर और प्रोड्यूसर उनके साथ काम करने के लिए लाइन में लगते थेष्ठ

बॉलीवुड में करियर बनाते हुए ऐश्वर्या और एक्टर अभिषेक बच्चन की मुलाकात हुई और फिर उनकी जान-पहचान प्यार में बदल गई। ऐश्वर्या और अभिषेक ने 2007 में अपने परिवार की मौजूदगी में शादी कर ली। फिर 2011 में ऐश्वर्या ने बेटी आराध्या को जन्म दिया। आराध्या भी बॉलीवुड के पॉपुलर सेलिब्रिटी किड्स में से एक हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने खोला राज़: मुस्लिम लड़के से शादी और परिवार की अनचाही बातें

मुंबई। एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने 2024 में अपने लॉन्ग-टाइम बॉयफ्रेंड ज़हीर इकबाल से शादी की। इंटरफेथ मैरिज की वजह से सोनाक्षी को काफी ट्रोल किया गया था। कई लोगों ने एक्ट्रेस की शादी का विरोध भी किया था। ऐसी भी चर्चा थी कि सोनाक्षी की शादी में उनके भाई मौजूद नहीं थे। अब हाल ही में एक पॉडकास्ट में सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी प्राइवेट लाइफ को लेकर बड़ा बयान दिया है। फिलहाल, हर तरफ सिर्फ सोनाक्षी सिन्हा ही चर्चा में हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर ज़हीर इकबाल के साथ अपनी इंटरफेथ मैरिज को लेकर चल रही चर्चाओं और आलोचनाओं पर खुलकर बात की है। जून 2024 की शादी के बाद कई लोगों ने एक्ट्रेस की शादी का विरोध किया... इस पर सोनाक्षी ने कहा, 'यह बस एक तरह का कन्फ्यूजन है... क्योंकि मैं ऐसा करने वाली पहली या आखिरी महिला नहीं हूं..'

सोशल मीडिया पर आ रहे नेगेटिव कमेंट्स के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं एक बड़ी महिला की लाइफ चॉइस हूं... जिसे मैं जानती भी नहीं, हर किसी की किसी न किसी वजह से इस पर अपनी राय थी, जिसे मैं समझ नहीं पाई। सच कहूं तो तब सब कुछ सिर्फ हमारे बारे में था... और दूसरी तरफ जिस पल का हम इंतजार कर रहे थे। यह सब असलियत में हो रहा था... हम बहुत एक्साइटेड और खुश थे...

आखिरकार हम अपनी पूरी जिंदगी एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं और वह पल हमारे लिए बहुत खास था...' सोनाक्षी ने यह भी कहा।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'सिचुएशन से डील करना मुश्किल था, खासकर ऐसे समय में जब आप अपने आस-पास सिर्फ पॉजिटिविटी चाहते हैं... हम सोशल मीडिया की दुनिया में रहते हैं... इसलिए मुझे अपने कमेंट्स रोकने पड़े। मैं अपने खास दिन पर अपने, अपने पार्टनर या अपने परिवार के बारे में एक भी नेगेटिव बात नहीं पढ़ना चाहती थी।'

आज सोनाक्षी और ज़हीर फैंस को कपल गोल्स दे रहे हैं। ज़हीर और सोनाक्षी ने 7 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी करने का फैसला किया। सोनाक्षी और ज़हीर ने 23 जून, 2024 को एक बड़े समारोह में शादी की। उनकी शादी की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे।

मेरा सफर, चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ संतुष्टिपूर्ण भी है :नुसरत भरुचा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा का कहना है कि उनका सफर, चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ संतुष्टिपूर्ण भी है। नुसरत भरुचा ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान 'छोरी 2' के सफ़र पर की दिल छू लेने वाली बात कहते हुए बताया कि एक लड़की के लिए अपना फ्रेंचाइज़ी बनाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसे आखिरकार कर ही दिखाया।

नुसरत भरुचा ने एक ऐसे दौर में अपनी अलग जगह बनाई है, जहाँ महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी बहुत कम देखने को मिलती हैं। 'छोरी' के बाद 'छोरी 2' के सफल प्रदर्शन के बाद नुसरत अब हॉरर यूनिवर्स के अगले चरण यानी 'छोरी 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि वे इसे एक ऐसी उपलब्धि मानती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी है।

नुसरत भरुचा ने अपने फ़िल्मी सफ़र पर बात करते हुए कहा, 'छोरी 1 और 2 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। अब हम एक और भाग शुरू कर रहे हैं, और सच कहूँ तो एक लड़की के लिए अपनी खुद की फ्रेंचाइज़ी बनाना वाकई बहुत मुश्किल होता है। हालांकि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ कि इसमें मेरे प्रोड्यूसर, मेरे डायरेक्टर और हर को-एक्टर ने मेरा भरपूर साथ दिया। सच, मैं ये उस लड़की की तरह कह रही हूँ, जिसे लगता था कि वो सिर्फ़ एक रोम-कॉम एक्ट्रेस बनकर ही रह जाएगी। सो छोरी की तरफ़ से ये आप सबके लिए है।'

नुसरत के लिए छोरी सिर्फ़ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत विकास की यात्रा है। हल्की-फुल्की रोमांटिक फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत मानती हैं कि वह हमेशा खुद को 'रोम-कॉम एक्ट्रेस' ही समझती थीं, लेकिन छोरी ने उन्हें एक नए क्रिएटिव ज़ोन में पहुँचाया, जहाँ डर, गहराई, संवेदनशीलता और सामाजिक संदेश एक साथ जुड़ते हैं। फिलहाल 'छोरी 3' के साथ वे इसके अगले अध्याय में कदम रखने जा रही हैं। साथ ही अपनी इस सफलता को वे हर उस लड़की को समर्पित करती हैं जो अपनी राह नए सिरे से तय कर रही है, जो ये साबित करती है कि हिम्मत और विश्वास से कोई कुछ भी हासिल किया जा सकता है, फिर वो चाहे कितना भी असम्भव क्यों न लग रहा हो।

क्विंटन डी कॉक का 'विराट' रिकॉर्ड, सचिन-रोहित के क्लब में शामिल, भारत के खिलाफ जड़ा 7वां शतक

विशाखापत्तनम। दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ क्विंटन डी कॉक ने अपने 13,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं और इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने वाले अपने देश के सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इस अनुभवी विकेटकीपर ने भारत के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पहले दो मैचों में दो कम स्कोर से उबरते हुए प्रोटियाज़ के लिए अपना 23वाँ एकदिवसीय शतक जड़ा। उन्होंने 89 गेंदों में आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से 119.10 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अब तक 311 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, डी कॉक ने 40.24 की औसत और 93.71 के स्ट्राइक रेट से 13,088 रन बनाए हैं, जिसमें 347 पारियों में 30 शतक और 70 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 रहा है। इस शतक के साथ, वनडे में उनके अर्धशतक से शतक तक पहुँचने की दर बढ़कर 41.81 प्रतिशत हो गई है, जो भारतीय वनडे के उस्ताद विराट कोहली (41.40 प्रतिशत) से ज़्यादा है। डी कॉक ने वनडे में 55 अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें से 23 शतकों में बदले हैं। इसके अलावा, उन्होंने 23-23 शतकों के साथ, एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा की बराबरी कर ली है। डी कॉक ने एक अन्य श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या के साथ एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में बराबरी कर ली है। उन्होंने केवल 23 पारियों में भारत के खिलाफ अपना सातवां शतक पूरा किया है, जबकि जयसूर्या ने 85 पारियों में ये सात शतक लगाए थे। भारत के खिलाफ 23 एकदिवसीय मैचों में, क्विंटन ने 51.78 की औसत और 93 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,191 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है।

भारत में अपने सातवें शतक के साथ, डी कॉक विदेशी धरती पर सर्वाधिक वनडे शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर (यूएई में सात शतक), पाकिस्तान के सईद अनवर (यूएई में सात शतक), एबी डिविलियर्स (भारत में सात शतक) और रोहित शर्मा (इंग्लैंड में सात शतक) की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

पुलकित सम्राट ने चंकी पांडे की की तारीफ़ की

पुलकित सम्राट ने अपने काम के प्रति चंकी पांडे के समर्पण और जुनून की बातें साझा करते हुए कहा, 'पहली नज़र में चंकी सर को सेट पर आकर सीन करते देखना केकवॉक जैसा लगता है, लेकिन सच तो यह है कि वो उस सीन को परफेक्ट बनाने के लिए इतनी मेहनत करते हैं कि हमें सामने खड़े होने में शर्म आने लगती है। यकीन मानिए उनकी मेहनत देखकर हम खुद पेन-पेपर लेकर बैठ जाते हैं कि और क्या किया जा सकता है।'

पुलकित ने चंकी पांडे के साथ अपनी पहली फिल्म का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके साथ हर दिन ऐसा लगता था जैसे वे किसी स्कूल या किसी यूनिवर्सिटी में आ गए हों और बस सीखते ही जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चंकी पांडे ने अपनी बेटी, अभिनेत्री अनन्या पांडे के करियर और परफॉर्मेंस को संवारने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, 'अनन्या आज जो भी हैं, जिस तरह परफॉर्म करती हैं, उसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि उसके घर में ही पिता के रूप में एक मेंटर है, एक पूरी यूनिवर्सिटी मौजूद है।'

भारत और रूस ने निवेश संरक्षण समझौते को जल्द पूरा करने का अधिकारियों को निर्देश दिया

नई दिल्ली। भारत और रूस ने अपने अधिकारियों को निवेश संवर्धन एवं संरक्षण पर आपसी लाभकारी समझौते के लिए बातचीत तेज करने का निर्देश दिया। यह मामला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के दौर पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर बैठक में चर्चा के लिए आया। दोनों नेताओं ने ऊर्जा क्षेत्र में मौजूदा और संभावित सहयोग पर भी विचार किया। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ के बीच वस्तुओं के मुक्त व्यापार समझौते के लिए जारी प्रयासों को तेजी से आगे बढ़ाने की सराहना की। बयान में कहा गया, उन्होंने दोनों पक्षों को निवेश संवर्धन एवं संरक्षण पर परस्पर लाभकारी समझौते के लिए प्रयास तेज करने का भी निर्देश दिया।

भारत और यूरेशियाई आर्थिक क्षेत्र (ईएईयू) ने पिछले हफ्ते नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए पहले दौर की बातचीत की थी। भारत और पांच देशों वाले इस समूह ने 20 अगस्त को समझौते के लिए संदर्भ शर्तों पर हस्ताक्षर किए थे। रूस, आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान ईएईयू के सदस्य हैं।

बयान में कहा गया कि मोदी और पुतिन ने भारत से रूस को निर्यात बढ़ाकर द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित करने और टिकाऊ ढंग से बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने शुल्क और गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं को दूर करने, लॉजिस्टिक में अड़चनों को हटाने, संपर्क बढ़ाने, भुगतान व्यवस्था को सुगम बनाने तथा बीमा-पुनर्बीमा के मुद्दों का परस्पर स्वीकार्य समाधान निकालने पर जोर दिया।

बयान में कहा गया, रूस और भारत ने बिना बाधा द्विपक्षीय व्यापार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग से निपटान प्रणालियों को संयुक्त रूप से विकसित करना जारी रखने पर सहमति जताई है।

दोनों पक्षों ने ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक सहयोग को विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। दोनों देशों ने तेल एवं तेल उत्पाद, तेल शोधन एवं पेट्रोकेमिकल तकनीक, तेल क्षेत्र सेवाएं, अपस्ट्रीम तकनीक और संबंधित बुनियादी ढांचा, एलएनजी और एलपीजी से जुड़ा बुनियादी ढांचा आदि क्षेत्रों में भारतीय और रूसी कंपनियों के बीच मौजूदा एवं संभावित सहयोग के महत्व को स्वीकार किया।

ऑस्ट्रेलिया की 177 रनों की बड़ी बढ़त, इंग्लैंड की ठोस शुरुआत, डकेट-क्रॉली का धैर्य

बेन डकेट और जैक क्रॉली ने लचीलापन दिखाया और दोनों छोर संभालते हुए ब्रिस्बेन में खेले जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के तीसरे दिन डिनर तक इंग्लैंड को बिना किसी नुकसान के 45 रन पर पहुँचा दिया। ऑस्ट्रेलिया इससे पहले 511 रनों पर ढेर हो गया था और उसे 177 रनों की विशाल बढ़त हासिल हो गई थी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (13ङ) और जैक क्रॉली (26ङ) डिनर तक नाबाद रहे और उन्होंने एक ठोस साझेदारी की। इंग्लैंड ने केवल छह ओवरों में 45 रन बनाकर इस घाटे को पूरा कर लिया। मिशेल स्टार्क ने शानदार 77 रनों की पारी खेली और वह दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र की शुरुआत 99 ओवरों में 450/8 के स्कोर पर की और 116 रनों की बढ़त हासिल कर ली। स्टार्क (46ङ) और स्कॉट बोलैंड (7ङ) क्रीज पर नाबाद थे। स्टार्क ने दूसरे सत्र के पहले ही ओवर में विल जैक्स की गेंद पर मिडविकेट की ओर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ, स्टार्क उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने डे-नाइट टेस्ट मैच में 50 या उससे अधिक रन बनाए और पाँच विकेट लिए। वह दिलरुवान परेरा और जेसन होल्डर की सूची में शामिल हो गए। स्टार्क अब टेस्ट मैचों में नौवें नंबर के बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज खिलाड़ी ने 64 टेस्ट मैचों की 77 पारियों में 22.34 की औसत से 1,408 रन बनाए हैं, जिसमें आठ अर्धशतक और 99 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। स्टार्क ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड को पीछे छोड़ दिया है। 109वें ओवर में स्टार्क ने गस एटकिंसन को आउट किया और उनके ओवर में दो चौके जड़कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया। 111वें ओवर में ब्रायडन कार्से ने आखिरकार स्टार्क को आउट कर दिया और 141 गेंदों पर 77 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ब्रेंडन डोगेट भी बोलंड के साथ क्रीज पर आए। जैक ने 117वें ओवर में डोगेट को 13 रन पर आउट करके ऑस्ट्रेलियाई पारी का रुख मोड़ दिया। बोलैंड और डोगेट ने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 117.3 ओवर में 511 रन तक पहुँचाया। इससे पहले, शनिवार को गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम रहा और उसने तीसरे दिन चायकाल तक 99 ओवर में 8 विकेट पर 450 रन बनाकर 116 रनों की बढ़त बना ली

रोमांचक टेस्ट ड्रॉ: ग्रीव्स का 'मैचसेवर' दोहरा शतक, वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के जबड़े से छीना मैच

हेगले ओवल। जस्टिन ग्रीव्स के यादगार पहले दोहरे शतक और केमार रोच की दमदार पारी की बदौलत वेस्टइंडीज़ शनिवार को हेगले ओवल में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज़ के पहले टेस्ट मैच में हार से बच गया। 5वें दिन, जस्टिन और रोच ने मिलकर दो से ज़्यादा सेशन बल्लेबाजी की और वेस्टइंडीज़ के लिए टेस्ट मैच बचा लिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि मेहमान टीम 561 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल कर लेगी, लेकिन रोच को आउट करके उन्हें कुछ मौके दिए गए, और इन घबराहट भरे पलों के चलते वेस्टइंडीज़ ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी। ग्रीव्स 388 गेंदों पर 19 चौकों की मदद से 202 रन बनाकर नाबाद रहे। दूसरी ओर, रोच 233 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे मेहमान टीम 561 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए 163.3 ओवर में 457/6 रन बनाने में सफल रही।

बुमराह को कब, कैसे खिलाना है, इसके लिए अक्ल चाहिए: रवि शास्त्री ने किस पर साधा सीधा निशाना

नई दिल्ली। आधुनिक युग में भारत के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक, अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शनिवार को 32 साल के हो गए। बुमराह ने 2016 की शुरुआत में भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के दौरान अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इससे पहले, उनका घरेलू सत्र शानदार रहा था, जहाँ उन्होंने रणजी ट्रॉफी में गुजरात के लिए शानदार प्रदर्शन किया और विजय हजारे टूर्नामेंट में गेंदबाजी सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के टी20ङ चरण में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ थे, जिसे भारत ने 3-0 से जीता था।

32 वर्षीय बुमराह देश के अब तक के सबसे बड़े मैच-विनर खिलाड़ियों में से एक हैं, और चाहे परिस्थिति कितनी भी कठिन क्यों न हो, बुमराह अपनी टीम को मुकाबले में वापस लाने का हुनर रखते हैं। हालाँकि, पिछले कुछ महीनों में, उनके कार्यभार को लेकर बहस तेज़ हो गई है, और इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में सिर्फ़ तीन टेस्ट खेलने के बाद मामला चरम पर पहुँच गया। टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अब इस मामले पर अपनी राय दी है और कार्यभार को लेकर चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर पर निशाना साधा है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस तेज़ गेंदबाज़ का सही इस्तेमाल करने के लिए दिमाग़ होना ज़रूरी है।

क्रिकेट पंडितों और प्रशंसकों का मानना था कि मुंबई इंडियंस का यह तेज़ गेंदबाज़ सिर्फ़ सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए ही अच्छा है, क्योंकि उसका एक्शन टेस्ट में नहीं टिकेगा, लेकिन इस तेज़ गेंदबाज़ ने सबको कैसे गलत साबित किया?

शास्त्री ने कहा कि बुमराह दादा गेंदबाज़ हैं। बुमराह को लेने के लिए भी अक्ल होनी चाहिए ना। आपने उन्हें सफ़ेद गेंद का गेंदबाज़ बनाया, तो वो लाल गेंद के गेंदबाज़ कैसे बन गए? गौरतलब है कि शास्त्री ने अपने कार्यकाल के दौरान बुमराह को टेस्ट फॉर्मेट में खेलने के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाई थी। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण से पहले, ज़्यादातर इस साल की शुरुआत में, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी पाँच टेस्ट खेलने के बाद बुमराह को पीठ में ऐंठन हो गई थी, और सिडनी में आखिरी मैच के बीच में ही उन्हें चोट लग गई थी। इसके कारण उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती कुछ मैच नहीं खेलने पड़े थे। इस चोट के कारण मौजूदा टीम प्रबंधन को बुमराह के लिए एक योजना बनानी पड़ी।

पश्चिम रेलवे

किराना और कच्चे माल की आपूर्ति

जगजीवन राम अस्पताल (JRH), मुंबई सेंट्रल, मुंबई, पश्चिम रेलवे, ई-निविदा सूचना संख्याः JRHKitchenGrocery Revis-25 दिनांक 03/12/2025 आमंत्रित करता है। कार्य का नामः कच्चा माल/किराना सामान आपूर्ति अनुबंधः जगजीवन राम अस्पताल किचन - 03 वर्षों के लिए। **कार्य की अनुमानित लागतः** बयाना राशिः 1,11,95,673/- (सभी सहित)। 2,05,980/-। जमा करने की अंतिम तिथि और समयः 29.12.2025, सुबह 11:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

0874

Like us on: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सौर ऊर्जा प्रणाली युक्त सीसीटीवी कैमरों की आपूर्ति एवं स्थापना

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (उत्तर), द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई- 400 008, ई-निविदा संख्याः SG-216-2-135-WA-R1 दिनांक 04/12/2025 आमंत्रित करता है। कार्य एवं स्थानः मुंबई मंडल (पश्चिम रेलवे) में सूरत खंड के ट्रैक किनारे संवेदनशील स्थानों पर निगरानी हेतु सौर ऊर्जा प्रणाली युक्त सीसीटीवी कैमरों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग, तीन वर्ष की वारंटी अवधि पूरी होने के बाद पाँच वर्षों के लिए CAMC के साथ। **कार्य की लागतः** 92,85,787.38। **अग्रिम राशिः** 1,85,700/-। ई-निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः 29.12.2025, 15:00 बजे तक। ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 29.12.2025 को 15:30 बजे। निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

0872

Like us on: facebook.com/WesternRly

पश्चिम मध्य रेल

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि.मं.सं.एवं दू.सं.इंजी. (सिगनल एवं दूर संचार) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल निम्नलिखित कार्यों **Tender No. KOTA/SNT/SIG/2025/35** के लिए निर्धारित ई-निविदाएं आमंत्रित करते है टेण्डर खुलने की तारीख एवं समय टेबल में दर्शाया गया है। इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगाः- **टेन्डर सं.:** कोटा/एसएण्डटी/सिग./2025/35, **कार्य का नामः** एसएण्डटी वर्क इन कनेक्शन विथ प्रपोसल फॉर कन्स्ट्रक्शन ऑफ 2- लेन रोड अण्डर ब्रिज ऑफ साईज 1×13.50×5.50 एम बाय बॉक्स पुशिंग ओपन कट मैथड युसिंग आरएच गिरडर एट किमी. 865/29-31(CH:865.845 Km) बिटवीन कंवलपुरा एण्ड दरा स्टेशन ऑफ नागदा-कोटा सेक्शन, **कार्य की अनुमानित लागतः** ₹6,02,985.58, **बयाना राशिः** ₹ 12,100.00, **तारीख एवं समयः** दिनांक 26.12.2025 को 15:00 बजे तक। **नोटः** पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड की गई है। निविदा/बोलीदाताओं के पास कक्षा III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई-टेण्डरिंग पर भाग ले सकते है। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहियें। पंजीकृत निविदाएण्ड **GSTIN** रजिस्टर होना चाहिए। **(हस्ता.)**

वरि.मं.सं.एवं दू.सं. इंजी0 (समन्वय)

पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

हिंदू मंदिरों को तोड़ने वाले बाबर के नाम पर मस्जिद का नाम रख कर हुमायूं कबीर ने क्या संदेश दिया है?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले में आज निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने बेलडांगा में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद-शैली की मस्जिद का शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम को लेकर जिले में अभूतपूर्व सुरक्षा बंदोबस्त किए गए थे क्योंकि भारी भीड़ उमड़ने की आशंका थी। साथ ही प्रशासन का प्राथमिक लक्ष्य राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर यातायात सुचारु रखना था।

आयोजकों के मुताबिक दो क़ाज़ी सऊदी अरब से विशेष काफ़िले में शामिल हुए और करीब 3 लाख लोगों की संभावित भीड़ के मद्देनज़र 3,000 से अधिक स्वयंसेवकों तथा लगभग 3,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के लिए विशाल मंच, भोजन, लॉजिस्टिक और सुरक्षा समेत कुल खर्च 60-70 लाख रुपये तक आया है।

हम आपको बता दें कि हुमायूं कबीर, जिन्हें हाल ही में पार्टी के लिए बार-बार शर्मिंदगी पैदा करने के आरोप में टीएमसी से निलंबित किया गया था, इस कार्यक्रम के माध्यम से एक राजनीतिक ताक़त का प्रदर्शन करते दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि बेलडांगा में केवल मस्जिद ही नहीं, बल्कि अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान और सभी

समुदायों के लिए गेस्ट हाउस भी बनाया जाएगा।

देखा जाये तो मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद-शैली की मस्जिद का शिलान्यास अपने आप में केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं है; यह एक राजनीतिक संदेश भी बनकर उभर रहा है। हुमायूं कबीर जिस तरह भीड़, बाहरी धार्मिक नेताओं, विशाल व्यय और टकरावभरी भाषा का उपयोग कर रहे हैं, वह स्पष्ट रूप से आग से खेलने जैसा है। सांप्रदायिक विभाजन की ज़मीन पर लोकप्रियता की इमारत खड़ी करने की कोशिशें भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए अत्यंत खतरनाक हैं।

साथ ही, यह सवाल भी उठता है कि आखिर हम किन प्रतीकों को आगे बढ़ा रहे हैं। जब किसी मस्जिद को बाबरी मस्जिद-शैली या बाबर के नाम पर स्थापित करने की बात होती है, तो यह केवल स्थापत्य शैली का मामला नहीं रह जाता, यह इतिहास के उन पन्नों को कुरेदने का प्रयास बन जाता है जो आज भी समाज में संवेदनशीलता रखते हैं। बाबर, जो एक मध्यकालीन आक्रांता था और जिसकी सेना द्वारा मंदिरों के विध्वंस के उल्लेख इतिहास में दर्ज हैं, उसके नाम पर मस्जिद निर्माण की ज़िद करना क्या हिंदुओं को यह संदेश देने का प्रयास नहीं है कि हम उस ऐतिहासिक पीड़ा के प्रतीक का महिमामंडन करेंगे? किसी भी धर्म के लिए पूजा स्थल बनाना उसका अधिकार है, लेकिन क्या वह अधिकार इस रूप में इस्तेमाल होना चाहिए कि वह सामाजिक समरसता को पीछे धकेल दे?

ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि स्वयं अयोध्या में नई मस्जिद परियोजना, जहाँ कानूनन तय स्थान पर शांतिपूर्वक निर्माण होना है, वह वर्षों से धीमी गति और न्यूनतम दानराशि के चलते संघर्ष कर रही है। इससे यह प्रश्न और तीखा हो जाता है कि वास्तविक उद्देश्य क्या है? हम आपको बता दें कि इंडो-इस्लामिक कल्चरल फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष ज़फ़र फ़ारूक़ी ने स्वीकार किया है कि अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए अनुमानित 65 करोड़ रुपये की तुलना में अभी तक केवल तीन करोड़ रुपये के आसपास ही धनसंग्रह हुआ है। यदि हुमायूं कबीर को मस्जिद की इतनी ही चिंता है तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बनवाई जा रही मस्जिद के लिए आगे आना चाहिए था ना कि अपनी राजनीति चमकाने और सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने का प्रयास करना चाहिए था।

देखा जाये तो भारत में किसी भी समुदाय का गर्व इतिहास के संघर्षों को दोहराने में नहीं, बल्कि नए भविष्य का निर्माण करने में है। चाहे मंदिर हो या मस्जिद, अगर उनका नाम, आकार, भाषा या आयोजन समाज को विभाजित करता है, तो हमें यह सोचने की जरूरत है कि आखिर हम किस दिशा में जा रहे हैं। धर्म का सम्मान करें, इतिहास से सीखें, पर राजनैतिक लाभ के लिए भावनाओं की आग पर घी न डालें। यही संदेश आज सबसे अधिक प्रासंगिक है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे वीर सावरकर इम्पैक्ट अवार्ड्स का उद्घाटन, एलजी मनोज सिन्हा होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली 10 दिसंबर को वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव पुरस्कार 2025 की मेज़बानी करेगा, क्योंकि हाई रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (ंअए) नीति निर्माताओं, सामाजिक नेताओं, विद्वानों और नागरिक समाज के सदस्यों को समाज में परिवर्तनकारी योगदान को मान्यता देने के लिए समर्पित एक शाम के लिए एक साथ ला रही है। यह कार्यक्रम एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें उन व्यक्तियों और संगठनों पर प्रकाश डाला जाएगा जिनके कार्यों ने राष्ट्रीय विकास, सामाजिक सुधार और मानवीय कार्यों में ठोस बदलाव लाए हैं।

इस समारोह के राष्ट्रीय स्तर पर काफ़ी ध्यान आकर्षित करने की उम्मीद है, जिसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, साथ ही सार्वजनिक जीवन, प्रशासन, शिक्षा जगत और विकास क्षेत्र से कई अतिथि भी शामिल होंगे। ये पुरस्कार वीर सावरकर की विरासत पर आधारित हैं, जिनका

भारत के राजनीतिक और सामाजिक चिंतन पर प्रभाव आज भी बहस और चिंतन को जन्म देता है।

यह मंच उन समकालीन परिवर्तन-निर्माताओं को मान्यता प्रदान करने का प्रयास करता है जो सामुदायिक सशक्तिकरण, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को मूर्त रूप देते हैं, और उन प्रयासों को उजागर करता है जो तेज़ी से विकसित हो रहे भारत में राष्ट्र निर्माण की नींव को मज़बूत करते हैं। आयोजक संस्था, एचआरडीएस इंडिया, ने आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के साथ ज़मीनी स्तर पर अपने काम के लिए लगातार प्रतिष्ठा अर्जित की है। एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में पंजीकृत, इसने वंचित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के अवसरों तक पहुँच का विस्तार करके संरचनात्मक असमानता को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

इसके हस्तक्षेप केरल, तमिलनाडु, गुजरात, त्रिपुरा, असम और झारखंड जैसे राज्यों के दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों तक पहुँच चुके हैं, जहाँ निरंतर प्रयासों से स्कूल नामांकन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, कौशल विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी में सुधार हुआ है।

7 दिसंबर तक रिफंड-क्लियर करो, 48 घंटे में सामान घर पहुंचाओ, वरना होगी सख्त कार्रवाई, सरकार की लास्ट वॉर्निंग

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने शनिवार को सभी घरेलू इकोनॉमी क्लास उड़ानों के लिए अधिकतम किराया सीमा को सख्त कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि इंडिगो के परिचालन संकट के कारण कई दिनों से चल रही बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने और क्षमता की कमी के बाद यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह कदम ज़रूरी था। नई किराया सीमाएँ तुरंत प्रभाव से दूरी के आधार पर लागू होंगी।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को अगले 48 घंटों के भीतर उड़ान रद्द या देरी के कारण अलग किए गए सभी यात्रियों के सामान का पता लगाने और डिलीवरी करने का भी आदेश दिया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने एयरलाइन को 7 दिसंबर की रात 8 बजे तक बाधित या रद्द उड़ानों के सभी यात्रियों की सक्रिय सहायता के लिए समर्पित सहायता और रिफंड सुविधा प्रकोष्ठ स्थापित करने का निर्देश दिया। एयरलाइनों को सामान की ट्रैकिंग और डिलीवरी के संबंध में स्पष्ट संचार बनाए रखने और जहाँ लागू हो, मुआवज़ा प्रदान करने के लिए कहा गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने वरिष्ठ नागरिकों, विकलांग व्यक्तियों, छात्रों और तत्काल चिकित्सा यात्रा वाले यात्रियों के लिए सुचारू सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निगरानी पर जोर दिया, जबकि पूर्ण परिचालन सामान्यता बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

लंबित रिफंड का भुगतान करने का भी निर्देश दिया। मंत्रालय ने इंडिगो को प्रभावित यात्रियों से कोई पुनर्निर्धारण शुल्क नहीं लेने और

इंडिगो ने रद्दीकरण और पुनर्निर्धारण शुल्क माफ किया

जैसे-जैसे संकट गहराता गया, इंडिगो ने 5 से 15 दिसंबर 2025 के बीच यात्रा के लिए रद्दीकरण और पुनर्निर्धारण शुल्क पर पूरी छूट की घोषणा की। एयरलाइन ने कहा कि रिफंड स्वचालित रूप से मूल भुगतान विधि में संसाधित हो जाएगा, यात्रियों को कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस उपाय का उद्देश्य बड़े पैमाने पर व्यवधानों के जारी रहने के दौरान 'अधिकतम लचीलापन' प्रदान करना है।

तेलंगाना का 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य, ग्लोबल समिट में होगा खुलासा

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि 8 दिसंबर से भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाला तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट पूरी तरह से एक आर्थिक शिखर सम्मेलन होगा, सीएमओ की एक विज्ञप्ति में कहा गया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल समिट की मेजबानी का उद्देश्य तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन डॉक्यूमेंट के माध्यम से अगले दो दशकों के लिए राज्य के प्रगतिशील दृष्टिकोण और आर्थिक रोडमैप की घोषणा करना है, जो 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के राज्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है।

मुख्यमंत्री ने आज प्रजा भवन में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू, राजस्व मंत्री पोनुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी के साथ एक समीक्षा

बैठक बुलाई, जिसमें कई शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रतिनिधियों को भारत फ्यूचर सिटी में ग्लोबल समिट में उच्च-गुणवत्ता वाला अनुभव मिले। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर की जा रही रसद और अन्य व्यवस्थाओं के साथ-साथ कार्यक्रम की समय-सारिणी के बारे में भी बताया। विज़न दस्तावेज़ को अंतिम रूप देने के सुझाव देते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य की भविष्य की विकास योजनाओं पर अधिक सामग्री शामिल करने को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि नीति दस्तावेज़ जनता की पहुँच के लिए डिजिटल रूप में उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के पैमाने और सफलता को प्रदर्शित करने के अपने दृष्टिकोण के बारे में बताया।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू, अन्य मंत्रियों के साथ, कल ग्लोबल समिट का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम जारी करेंगे। देश भर में चल रही उड़ानों के रद्द होने के मद्देनजर, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हैदराबाद आने-जाने वाली उड़ानों से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय से परामर्श करने का निर्देश दिया।

सीएम धामी का दावा, जनता से किया हर वादा निभाया, यूसीसी लागू, चारधाम यात्रा के लिए पुख्ता इंतजाम

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को चुनाव पूर्व किए गए वादों को पूरा करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उनके प्रशासन ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने सहित जनता को दिए गए वादों को लागू करने के लिए पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ काम किया है। उन्होंने शीतकालीन चार धाम यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की और कहा कि इस वर्ष सुचारू तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थाएँ बहुत पहले ही शुरू कर दी गई थीं।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार जनता से किए गए हर वादे को पूरा करती है। चुनाव से पहले हमने जनता से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का वादा किया था और हमने वह वादा पूरा किया है... इस बार हमने शीतकालीन चारधाम यात्रा की तैयारियाँ काफी पहले से शुरू कर दी थीं और तीर्थयात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। आने वाले समय में तीर्थयात्रियों की संख्या और बढ़ेगी, इसके लिए हमने सुविधाएँ बढ़ा दी हैं। कृषि क्षेत्र के लिए उपायों पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने गन्ना उत्पादकों को आश्वासन दिया कि सरकार आगामी कटाई और खरीद चक्र में पूरी सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा कि हम किसानों को आश्वस्त करते हैं कि वे अपनी पूरी गन्ना फसल उगाएँ और सरकार उसकी खरीद की पूरी व्यवस्था करेगी। इससे पहले शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित हर्बल सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को ग्राम-स्तरीय क्लस्टर बनाकर हर्बल क्षेत्र में व्यवस्थित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों से हर्बल और औषधीय उत्पादों के प्रचार और विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

अफगान-पाक के बीच ताबड़तोड़ हमले, कई पाकिस्तानी चौकियां तबाह!

कंधार। अफगानिस्तान के कंधार जिले के स्पिन बोल्डक के पास अफगान और पाकिस्तानी सेना के बीच ताज़ा झड़पों में चार नागरिक मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। टोलो न्यूज़ के अनुसार, शुक्रवार शाम को शुरू हुई झड़पों के दौरान अफगान माज़ल गली और लुकमान गाँव के इलाकों में मोर्टार हमलों के कारण ये मौतें हुईं। घायलों में एक महिला और एक पुरुष की हालत गंभीर है और उनका इलाज ऐनो मीना अस्पताल में चल रहा है।

अफगानिस्तान के आधिकारिक प्रवक्ता, ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर एक पोस्ट में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए हमलों की पुष्टि की और दावा किया कि अफगान क्षेत्र में मौजूद पाकिस्तानी सैनिकों ने ही हमले शुरू किए। मुजाहिद ने शनिवार को एक्स पर अपने पोस्ट में कहा दुर्भाग्यवश, आज शाम पाकिस्तानी पक्ष ने एक बार फिर कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में अफगानिस्तान की ओर हमले शुरू कर दिए, जिसके कारण इस्लामिक अमीरात बलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस बीच, डॉन के अनुसार, शुक्रवार देर रात चमन सीमा पर पाकिस्तानी और अफ़ग़ान बलों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें दोनों पक्षों के अधिकारियों ने एक-दूसरे पर टकराव शुरू करने का आरोप लगाया।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया कि अफ़ग़ान बलों ने बदानी इलाके में मोर्टार के गोले दागे। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से, पाकिस्तानी बलों ने अफ़ग़ान आक्रमण के खिलाफ़ जवाबी कार्रवाई की। क्वेटा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर डॉन को बताया कि गोलीबारी शुक्रवार रात लगभग 10 बजे शुरू हुई और शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात देर तक जारी रही।

बलूचिस्तान में पांच मौतें, पाकिस्तान में मची खलबली, जबरन गायब करने के मामलों पर उठे गंभीर सवाल

बलूचिस्तान में पाकिस्तान के बिगड़ते मानवाधिकार रिकॉर्ड को उजागर करने वाली एक और भयावह घटना में, तीन ज़िलों में पाँच लोगों के क्षत-विक्षत शव मिले, जिनमें से एक को पहले जबरन गायब कर दिया गया था, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने रिपोर्ट किया था। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, ये शव पंजगुर, खलीकाबाद और ज़ेहरी में मिले, जिससे प्रांत में हत्याओं और गुमशुदगी की बढ़ती संख्या पर चिंता और बढ़ गई है। पंजगुर की पारोम तहसील में, पुल्लाबाद इलाके से बरामद एक शव की पहचान केच ज़िले के ज़मुरान निवासी मुहम्मद उमर के बेटे अब्दुल वहाब के रूप में हुई।

स्थानीय रिपोर्टों ने पुष्टि की है कि वहाब का 27 अक्टूबर को कथित तौर पर राज्य समर्थित 'मृत्यु दस्ते' द्वारा अपहरण कर लिया गया था। कथित तौर पर अपहरण के दौरान उसे गोली मार दी गई थी, जिससे उसका एक पैर लकवाग्रस्त हो गया था। हफ़्तों

तक बंधक बनाए रखने के बाद, गुरुवार को उसका प्रताड़ित शव फेंका हुआ मिला। खलीकाबाद ज़िले में पुलिस को बदरंग इलाके में तीन और शव मिले। पीड़ितों के पास से मिले पहचान पत्रों से पता चला कि वे जोहान निवासी खुदा बख्श, खलीकाबाद निवासी ज़हूर अहमद और काशान निवासी बरकत खान थे, जो सभी लेहरी जनजाति के चचेरे भाई थे।

बताया कि पीड़ित की पहचान सादिकाबाद निवासी मुहम्मद असलम के बेटे शाहज़ैब के रूप में हुई है, जिसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने उजागर किया है। मानवाधिकार संगठनों और कार्यकर्ताओं का तर्क है कि दूरदराज के इलाकों में प्रताड़ित शवों की व्यवस्थित बरामदगी, पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों और उनके गुर्गों द्वारा कथित तौर पर जबरन गायब किए जाने और न्यायेतर हत्याओं के एक परेशान करने वाले पैटर्न को दर्शाती है। हाल के महीनों में दर्जनों पीड़ित ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें पहले सरकारी बलों ने हिरासत में लिया था, जिससे क्षेत्र में हिरासत में हिंसा और सरकारी दमन की आशंकाएँ बढ़ गई हैं।

अधिकारियों ने जाँच शुरू कर दी है, लेकिन अपराधियों के बारे में कोई स्पष्ट सुराग नहीं दे पाए हैं। इस बीच, खुज़दार ज़िले में, ज़ेहरी तहसील के फुटबॉल मैदान क्षेत्र में सड़क किनारे एक और शव मिला। स्थानीय अधिकारियों ने

पाकिस्तान की डूबती नैया, अफगानिस्तान से दुश्मनी बनी वजह, पीटीआई नेता का गंभीर आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की वर्तमान सैन्य और विदेश नीतियों की तीखी आलोचना करते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता अब्दुल समद याकूब ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान के साथ देश के बिगड़ते संबंध और इसकी दोषपूर्ण आंतरिक रणनीतियां पाकिस्तान को और अधिक क्षेत्रीय अलगाव और आर्थिक पतन की ओर धकेल रही हैं। याकूब ने पीटीआई संस्थापक की चिंताओं को साझा किया, जो इमरान खान द्वारा सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को हाल ही

में दी गई चेतावनी के बाद सामने आई हैं। याकूब ने सैन्य प्रतिष्ठान पर 'विनाशकारी नीतियों' को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है जो पाकिस्तान की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के बजाय व्यक्तिगत या विदेशी हितों को पूरा करती हैं।

याकूब ने पश्चिमी सीमा पर बढ़ती असुरक्षा पर प्रकाश डाला, और उनके अनुसार यह स्थिति पूर्वी सीमा पर पाकिस्तान के पारंपरिक ध्यान से एक बड़ा बदलाव है। उन्होंने कहा कि अतीत में हमें अपनी पूर्वी सीमा पर भारत के साथ तनाव का सामना करना पड़ा था। लेकिन आज, अफ़ग़ानिस्तान के साथ हमारी पश्चिमी सीमा भी असुरक्षित हो गई है, जिसकी कभी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के टकराव वाले रुख ने कभी भाईचारे वाले देश को एक शत्रुतापूर्ण पड़ोसी में बदल दिया है। पीटीआई नेता ने व्यापार मार्गों को सील करने और सीमा पार आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए इसे खुद पर लगाया गया घाव बताया जो क्षेत्रीय कूटनीति और आर्थिक स्थिरता, दोनों को कमज़ोर करता है। उन्होंने कहा कि व्यापार और सहयोग को बढ़ावा देने के बजाय, वे वाणिज्य के लिए जगह भी छीन रहे हैं। इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय में और अलग-थलग पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और उच्च-स्तरीय यात्राओं के बावजूद, कोई वास्तविक निवेश साकार नहीं हुआ है। पाकिस्तान एक बहुआयामी संकट में फंसा हुआ है जो नीति और शासन में हर चूक के साथ गहराता जा रहा है। याकूब ने कहा निवेशक आकर्षित होने के बजाय दूर जा रहे हैं।

थाना प्रभारी ने स्वयं को गोली मारी, इलाज के दौरान मौत

जालौन । जालौन जिले के थाना कुठौंद के प्रभारी निरीक्षक ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर स्वयं को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि थाना प्रभारी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार ने बताया शुक्रवार की रात्रि लगभग लगभग 9:30 बजे कुठौंद थाने के प्रभारी निरीक्ष अरुण कुमार राय ने थाना परिसर के अपने आवास पर सरकारी रिवाल्वर से कथित रूप से स्वयं को गोली मार ली जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि गोली की आवाज सुनकर थाने के अन्य सिपाही और कर्मचारी प्रभारी निरीक्षक के आवास पर पहुंचे और पाया कि निरीक्षक अरुण कुमार राय खून से लथपथ पड़े हैं। तत्काल उनको स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करवाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज उरई के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक मेडिकल कॉलेज उरई में इलाज के दौरान रात लगभग 11:30 बजे प्रभारी निरीक्षक की मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक कुमार ने बताया प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि जांच के उपरांत ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। उन्होंने बताया कि अरुण कुमार राय मूल रूप से संत कबीर नगर जनपद के निवासी थे। उनकी मृत्यु की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है। वह 2023 में निरीक्षक के पद के लिए प्रोन्नत किये गये थे। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे, पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)